वर्ष : 7, अंक : 4, अक्टूबर-दिसम्बर 2023 ₹ 10

चौथा तहलका

हिन्दी त्रैमासिक पत्रिका

RNI No. : BIHHIN/2017/72153

यहां तो हुआ और कहां-कहां?

बहुत कठिन है डगर जनघट की...

विपक्ष का एकलौता मजबूत सिपाही

कुछ तो जानूं....

2024 तिहरा शतक पार... ?

विशेष रपट: दल बदलूओं से रहे सावधान!

अगले अंक में: काली कमाई पर पैनी नजर ....

कौन है आशुतोषजी महाराज

दिव्य ज्योति जागृति संस्थान के संस्थापक आशुतोष महाराज भारतीय सनातन परंपरा के वाहक आध्यात्मिक गुरू हैं। ऐसी मान्यता उनकी शिष्यों में है। मूल रूप से बिहार के मिथिलांचल क्षेत्र से आने वाले आशुतोष महाराज ने उस दौर में पंजाब को अपनी कर्मभूमि बनाई, जब पंजाब आतंकवाद की आग में जल रहा था। ज्ञान की तलाश में कई गुरूओं का साक्षात्कार कर आशुतोष महाराज ने पाया कि वर्तमान में कोई भी गुरू पूर्ण नहीं है। अच्छे और सिद्ध गुरू की तलाश में वह कई धर्मगुरूओं के बीच रहे भी और उनसे शास्त्रार्थ भी किया, लेकिन उनकी ज्ञान पिपासा को कोई शांत नहीं कर सका। सच्चे गुरु की तलाश करते-करते वह हिमालय की कंदराओं में चले गए और वहां 13 साल तक कठोर साधना की। हठयोग और क्रिया योग का ज्ञान उन्हें हिमालय की कंदराओं में निवास करने वाले सिद्ध महापुरूषों से भी मिले।ब्रह्मज्ञान की जिस तलाश में उन्होंने हिमालय में कठोर तपस्या की थी, उसकी प्राप्ति होते ही, दुनिया को इस ज्ञान से परिचय कराने हेतु हिमालय से

निकलकर वह भारत भ्रमण पर निकले। यह वह दौर था, जब पंजाब बुरी तरह से आंतकवाद की चपेट में था। उन्हें लगा कि उन्हें जो ज्ञान की प्राप्त हुई है, उसकी सबसे अधिक आवश्यकता अशांति से गुजर रहे पंजाब के लोगों को ही है। उन्होंने पूरे पंजाब का भ्रमण किया और पाया कि लोग अंदर से अशांत हैं, जिसके कारण समाज और राष्ट्र को विध्वंस के रास्ते पर ले जाने के लिए हथियार और नशे का सहारा ले रहे हैं। सन 1983 में कभी पैदल तो कभी साईकिल से आशुतोष महाराज ने पंजाब के गाँव-गाँव में जाकर लोगों को यह समझाना शुरू किया कि जब तक मनुष्य अंदर से शांत नहीं होगा, तब तक समाज में अशांति इसी तरह से फैलती रहेगी। पटियाला, अमृतसर, जालंधर, लुधियाना-आदि में घूम-घूम कर शांति स्थापना के लिए सत्संग के जरिए वह ज्ञान का प्रसार करते रहे। आतंकवादियों ने उनका विरोध किया, लेकिन आशुतोष महाराज का प्रवचन होता था कि तुम पहले अपनी आंखों से ईश्वर को देख लो, उसके बाद ही मेरी बातों पर विश्वास करो। ब्रह्मज्ञान के जरिए वह लोगों के तीसरे नेत्र खोलकर साक्षात प्रकाश पुंज परमात्मा का दर्शन कराते थे, जिसके कारण शिष्यों का हुजूम उनसे जुड़ता चला गया।

सिख देहधारी गुरूओं को नहीं मानते, लेकिन यहां तो बड़ी संख्या में सिख ही उनके शिष्य बनते जा रहे थे। धर्म के ठेकेदारों व आंतकवादियों को यह आखिर कैसे सहन होता, इसलिए आशुतोष महाराज का पंजाब में जमकर विरोध हुआ, उन पर हमले हुए, उनके शिष्यों को निशाना बनाया गया, अकालतख्त ने उन्हें अपने समक्ष हाजिर होने का फरमान जारी किया, लेकिन इस सब से उनका कारवां रूकने की जगह और जोर पकड़ता गया।

DR. NIHARIKA SINHA
Consultant Rheumatologist
Call : 9013335898
Clinic : 11:00 AM - 05:00 PM

DR. ABHISHEK KUMAR
M.B.B.S, MD, (Medicine), FICP
Consultant Physician & Diabetologist
Clinic : 10:00 AM - 04:00 PM

2nd Floor, Above ICICI Bank, (North of Income Tax Golambar
23-Telegraph Colony, Kidwaipuri, Patna - 800 001

संपादकीय

हम दुआ करते रहे
वो दगा करते रहे

संपादक
संजय कुमार चौधरी

अपराधी जिनके नाम से थर्राते हैं ये है पुलिसिया सिंघम

एसएस भट्टी, डीजीपी, बिहार

लॉ एंड ऑर्डर : सूबे में कानून व्यवस्था सुदृढ़ रहे इसके लिए जनसुरक्षा हेतु बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गृह मंत्रालय अपने पास रखा है। बिहार पुलिस की कड़ी मशक्कत के बावजूद हाल के दिनों से आपराधिक ग्राफ बढ़ा है। ऐसे पुलिस महकमें में यह चर्चा है कि बिहार पुलिस के तेज-तर्रार आईपीएस अधिकारी को प्रभार दिया जा सकता है। हालांकि सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक अभी इस दिशा में कोई पहल की चर्चा नहीं है, लेकिन यह कयास लगाया जा रहा है कि बिहार पुलिस में भी भारी फेर-बदल हुआ है और भी हो सकता है। कई तेज तर्रार आईपीएस अधिकारियों को महत्वपूर्ण पदभार मिल सकता है। बिहार के मुख्यमंत्री ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि जो लोग सोचत हैं बिहार में जंगलराज आ जाएगा। यह बिहार सरकार होने नहीं देगी। लॉ एंड आर्डर की मजबूती के साथ बिहार सरकार मंगल राज के लिए कोई कमी नहीं छोड़ेगी।

दलीय राजनीति के संरक्षण में पनप रहे अपराध को अंकुश लगाने में ब्यूरोक्रेसी मजबूर है। इसी मजबूरी को खत्म कर दिया जाए तो यहां की कानून व्यवस्था का उदाहरण फिर लोग पूरे देश में देने लगेंगे। बिहार प्रांत के डीजीपी आईपीएस राजविंदर सिंह भट्टी अपने आप में इतने सक्षम थे मगर कानून व्यवस्था को पटरी पर लाने में अभी तक पूरी तरह से सफल नहीं दिख रह हैं, इसके पीछे क्या कारण नहीं मालूम। जबकि उनको सशक्त आईपीएस के रूप जाना जाता था। उनकी टीम में जांबाज अफसरों की कमी नहीं है। आईपीएस आलोक राज को ही लें जो इन दिनों विजिलेंस के डीजी के रूप में कार्य कर रहे हैं। उनकी कार्यशैली के साथ-साथ वे अपने काम से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के गुड लिस्ट में शामिल हो गए हैं और अधिकारियों की पहली पसंद बन गए हैं। लॉ एंड आर्डर एडीजी संजय कुमार सिंह जो बिहार की आबो हवा को दुरुस्त करने की ताकत रखते हैं। ब्यूरोक्रेट्स में आईएएस और आईपीएस दोनों की जुगलबंदी पर यदि राजनैतिक मजबूरियों की जकड़न ना हो तो निश्चित रूप से जनता को राहत मिलने में देर नहीं लगेगी। ऐसा नहीं है कि बिहार में अपराधियों पर अंकुश लगाने के लिए अधिकारियों में दम नहीं है। जब से बिहार की गद्दी पर गठजोड़ ने शिकंजा कसा है तब से अधिकारी भी मजबूर होकर काम कर रहे हैं। वर्तमान में सत्ता में शामिल जिस दल की नींव लठ्ठबाजो की टोली ने रखी हो, जिसके नेता ने मंचों से खुलेआम लोगों को अधिकारियों से दो-दो हाथ करने का जोश भर रहा हो, वह आज कितना भी अच्छा काम करें, अच्छी कानून व्यवस्था की सोच रखें तो भी उनके लोग कहीं न कहीं उपद्रव करने से बाज नहीं आएंगे। ऐसे में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को अपनी साफ-सुथरी छवि को यदि बचा कर रखना है तो कहीं ना कहीं निश्चित रूप से अपने पुलिस के आला अफसरों, ईमानदार आईएएस अफसरों को अंदर ही अंदर ताकत देकर जनता के लिए समर्पित होने को कहना होगा। तभी बिहार एवं बिहार की जनता का कल्याण होगा।

संजय कुमार चौधरी

आलोक राज, डीजी, विजिलेंस

विजय कुमार, कार्यवाहक DGP UP

संजय सिंह, एडीजी, लॉ एंड ऑर्डर बिहार

ADG Security U.P. विनोद कुमार सिंह

विजय कुमार कार्यवाहक डीजीपी उत्तर प्रदेशः योगी राज के विश्वसनीय अधिकारी

अपने कार्यकाल में विजय कुमार कार्यवाहक डीजीपी उत्तर प्रदेश को सही मायने में भयमुक्त वातावरण दिया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की भाजपा सरकार की पॉलिसी को लागू करते हुए प्रदेश से अपराधियों की छुट्टी करा दी। कानून व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त करने में अपनी भूमिका निभाने वाले देवेंद्र सिंह चौहान के कार्यकाल को उत्तर प्रदेश के लॉ एंड ऑर्डर के रूप में सदैव देखा जाएगा।

ईमानदार छवि है आईपीएस वीके सिंह की

अपनी ईमानदार छवि के कारण एडीजी सुरक्षा उ.प्र. विनोद कुमार सिंह की खासी चर्चा होती रही है। योगी सरकार के भरोसेमंद आईपीएस अधिकारियों में भी उन्हें गिना जाता रहा है। पिछले दिनों जब यूपी में क्राइम कंट्रोल के लिए जिला स्तर पर नोडल पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई थी, तो वीके सिंह को गाजियाबाद की जिम्मेदारी दी गई थी। दरअसल, यूपी सरकार ने एडीजी, डीजी, आईजी से लेकर डीजीपी तक को प्रदेश के एक जिले में व्यवस्था को बेहतर बनाने का कार्य सौंपा गया था।

चौथा तहलका

वर्ष : 7, अंक : 4, अक्टूबर-दिसम्बर 2023

RNI NOÜ: BIHHIN/2017/72153

संरक्षक
राहुल मिश्रा

संपादक
संजय कुमार चौधरी

कार्यकारी संपादक
राजेन्द्र प्रसाद पांडेय

प्रधान संपादक
प्रिंस राज

प्रभारी संपादक
डॉ. सुरेश कुमार

संपादकीय सलाहकार
अखिलेश्वर तिवारी/आकाश गौरव

प्रबंध संपादक
प्रमन मिश्र

वरिष्ठ संपादक
आलोक शांडिल्य/डॉ संजीव कुमार झा

बिहार प्रभारी
सुधांशु कुमार झा

दिल्ली ब्यूरो
निशांत झा

दिल्ली एनसीआर ब्यूरो
मनीष झा

विशेष संवाददाता
विकास कुमार झा

विशेष संपादक मंडल
धमेंद्र साह, डॉ0 रानी श्रीवास्तव, अमर कुमार बबलू, बबीता कुमारी, इंजीनियर विद्या सागर

संपादक मंडल
सागरिका चौधरी, अनिल कुमार पंकज, पुनम तिवारी, जुबेर आलम, मिथिलेश मिश्रा, राजेश कुमार झा

विधि परामर्श
विद्यानचंद झा

ब्यूरो चीफ
संजय कुमार चौधरी

छायाकार
राजेश कुमार झा

परामर्शदाता
आशीष रंजन, आलोक कुमार, अविनाश कुमार, अमिताभ कृष्णा

कॉन्सेप्ट एडिटर
मयंक शर्मा, 7870591082

विज्ञापन प्रतिनिधि
विकास कुमार

संवाददाता
राजेश कुमार मिश्रा, अमित कु. पांडेय, धर्मपाल चंद्र, संतोष कुमार, वीरेंद्र कुमार प्रधान, प्रमोद कु।झा, सुरेंद्र सिंह, शंकर कु., कुमार शंकर प्रसाद श्रीवास्तव, चंदन कुमार झा, मदन मिश्रा, रश्मि मिश्रा, उमाकांत, असादुर रहमान, नैयर गफूर, गौतम संजय, चंद्रभान, अभिषेक जैन (मध्यप्रदेश संवाददाता), विक्रम ठाकुर, उपेंद्र कु. राय, नवकांत झा, संजीव रंजन, सूरज झा, रजत झा, रिकेश कुमार सिंह, रुद्र कुमार, रूपा कुमारी

email : sanjaykumarsanju5457@gmail.com

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय कुमार चौधरी द्वारा कृत्या पब्लिकेशन, डीएन दास लेन, लंगर टोली, पटना–4 द्वारा मुद्रित व यशोदा देवी, पति गौरीशंकर सिंह, शिव मंदिर के सामने, जक्कनपुर, पटना -01, बिहार से प्रकाशित।

मो. : 8002974144

सभी कानूनी विवाद पटना न्यायिक क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत निपटाये जायेंगे। लेखकों द्वारा व्यक्त विचार उनके अपने है। इसकी जिम्मेदारी उनकी है एवं इसके लिये संपादक, प्रकाशक की सहमति अनिवार्य नही है। सामग्री की वापसी की जिम्मेवारी चौथा तहलका की नहीं होगी। इस अंक में प्रकाशित सभी रचनाओं के सर्वोधिकार सुरक्षित है। कुछ छाया चित्र और लेख इंटरनेट/पत्र-पत्रिकाओं से साभार। उपरोक्त सभी पद अस्थायी एवं अवैतनिक है। किसी भी आलेख पर आपत्ति हो तो एक महीने के अंदर खंडन करें।

चिराग की रोशनी में दलित मतों को साधने की जद्दोजहद में भाजपा!

राजनीति के मौसम विज्ञानी रहे स्वर्गीय राम विलास पासवान के पुत्र यूथ आइकॉन चिराग पासवान की सियासत चौथा तहलका की विशेष रिपोर्ट

भाजपा के लिए संकटमोचन साबित हो सकते हैं चिराग पासवान

संजय चौधरी

लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के अध्यक्ष चिराग पासवान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जमकर हमला किया। चिराग ने कहा कि नीतीश कुमार बार-बार कहते हैं कि लोकतंत्र की हत्या हो रही है, लेकिन उनसे पूछना चाहते हैं कि सबसे ज्यादा लोकतंत्र की हत्या तो वही करते हैं। जनादेश उनको किसी और के साथ मिलता है और चले जाते हैं किसी और के साथ, और ताक-झांक करते रहते हैं।

चिराग पासवान ने नीतीश कुमार के दिल्ली दौरे पर भी बड़ी बात कह दी। कहा कि श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी पर पुष्पांजलि करने का उन्हें कोई अधिकार नहीं है। वह दिल्ली गए थे आंख दिखाने क्योंकि बिहार के डॉक्टर पर उन्हें भरोसा नहीं है। वह अपने महागठबंधन को भी आंख दिखाने के लिए दिल्ली गए थे। चिराग ने कहा कि सुई की नोक पर इंडिया (I.N.D.I.A) गठबंधन टिका है जो कभी भी गिर सकता है।

राज्य में बढ़ते अपराध को लेकर चिराग ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा कि बिहार में अपराधियों ने अपनी जड़ों को मजबूती से जकड़ लिया है। मौजूदा सरकार खुद को असहाय महसूस कर रही है। अपराधियों को कई जगहों पर सरकार का संरक्षण प्राप्त है। आम बिहारियों के साथ-साथ अब पुलिस भी अपराधियों की गोली का शिकार हो रही है। हमारी रक्षा करने वालों की हत्या कर दी जा रही है।

चिराग ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री सह गृह मंत्री इतना सब हो जाने के बाद भी चुप हैं। पुलिस जवानों का मनोबल गिर रहा है। 15 अगस्त को मुख्यमंत्री ज्ञान की बात कर रहे थे, लेकिन पुलिसकर्मी की हत्या पर चर्चा नहीं की। हमारे जवानों में अकेले लड़ने की क्षमता है, लेकिन वो चिंतित हैं कि उनके जाने के बाद परिवार का क्या होगा?

चिराग पासवान ने कहा कि शिक्षा-रोजगार के लिए लोग बिहार से पलायन कर रहे हैं। सुशांत सिंह राजपूत मामले में आज तक नहीं पता चला कि क्या हुआ। नीतीश कुमार को मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर जाने की फुर्सत नहीं है। आधा बिहार बाढ़ से ग्रसित है और आधा सुखाड़ से, मुख्यमंत्री और उनके अधिकारी एयर कंडीशन से बाहर नहीं निकलते हैं। लोग डूब कर मरेंगे तब इन्हें समझ आएगा कि बिहार में बाढ़ है.

मुख्यमंत्री के बयानों पर पलटवार करते हुए चिराग पासवान ने कहा कि नीतीश कुमार खुद कहते हैं कि जबरदस्ती उन्हें मुख्यमंत्री बनाया गया। आरजेडी ने तो कभी नहीं कहा कि आप ही मुख्यमंत्री रहिए। आरजेडी के कई नेताओं ने कहा है कि आप इस्तीफा देकर तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाइए। आप दिल्ली संभालिए। फिर क्यों कुर्सी से चिपके हुए हैं? बिहार बर्बाद हो रहा है और मुख्यमंत्री दिल्ली में जाकर राजनीति साध रहे हैं। 2024-25 में मुख्यमंत्री से हिसाब मांगा जाएगा।

और भी गम हैं गालिब इस शराबबंदी के सिवा

संजय चौधरी

बिहार में जब से महागठबंधन की सरकार बनी है तब से चारों ओर एक ही चर्चा है-शराबबंदी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपना चुनावी वादा पूरा करते हुए इसे लागू कर दिया। इसके लिए कठोर कानून बनाये गए हैं। किंतु पूरे बिहार में चौक-चौराहों पर शराब की दुकानें किसके राज में खुली थी इससे भी लोग वाकिफ हैं। ये पब्लिक सब जानती है।

मुख्यमंत्री ने केवल पूरे प्रदेश बल्कि प्रदेश से बाहर भी घूम-घूमकर अपनी पीठ थपथपा रहे हैं। इसके सिवाय मानों अब कोई मुद्दा ही नहीं है। अगर ऐसा होता तो फिर जिन राज्यों में पहले से शराबबंदी लागू है, वहां तो कुछ करने की जरूरत ही नहीं होनी चाहिए। मैं शराबबंदी के खिलाफ नहीं हूं किंतु इससे कोई असहमत नहीं होगा कि किसी भी राज्य के चहुंमुंखी विकास के लिए शराबबंदी ही काफी नहीं है-और भी गम है गालिब इस शराबबंदी के सिवा। अरे, अब तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इसकी प्रशंसा कर चुके हैं। रिकॉर्ड तोड़ मानव-शृंखला बनवाकर बिहार सरकार भी गदगद है। किंतु अब बहुत हो चुका। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पिछले कार्यकाल को जनता भूली नहीं है। विशेष राज्य के दर्जे की मांग करते हुए आंदोलन चलाने, गठबंधन को तोड़ने, फिर लोकसभा चुनाव परिणाम को लेकर मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने, मांझी प्रकरण और फिर मुख्यमंत्री पद ग्रहण करने में हीपांच साल निकल गए। जनता को क्या मिला? क्या इस बार भी पांच साल केवल शराबबंदी के नाम पर बिता दिये जायेंगे? राज्य में समस्याओं की कमी नहीं है। अन्य मुद्दों की ओर अब ध्यान दिया जाना चाहिए। शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी, सड़क आदि बुनियादी सुविधाओं की जमीनी हकीकत क्या है? प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा की स्थिति बदहाल है। स्कूलों में छात्र पढ़ने नहीं बल्कि मध्याह्न भोजन के लिए जाते हैं। ठेके पर बहाल शिक्षक पढ़ाने के अतिरिक्त और सारा काम करते हैं। कॉलेजों, विश्वविद्यालयों में शिक्षकों की भारी कमी है। रोजगार के अभाव में अभी भी मजदूरों और नौजवानों का पलायन नहीं रुका है। उद्योग के क्षेत्र में खालीपन है। भ्रष्टाचार पर नकेल नहीं कसी जा सकी है, प्रश्न पत्र लीक हो रहे हैं, मेधा घोटाले ने राज्य की प्रतिष्ठा को धूमिल कर दिया है। कानून-व्यवस्था को और दुरूस्त करने की जरूरत है। मतलब साफ है कि अब शराबबंदी से आगे निकलने की जरूरत है। ऐसा न हो कि पिछले कार्यकाल के विशेष राज्य के दर्जे के आंदोलन की तरह केवल शराबबंदी का ढोल पीटते-पीटते पांच साल निकल जाय और जनता मुंह ताकती रह जाय, फिर तो निम्नलिखित पंक्तियां पूर्ण रुप से चरितार्थ हो जायेंगी-

राजा राम हो या रावण जनता तो सीता है,
एक निर्वासित करता है दूसरा अपहरण करता हैं।
राजा पांडव हो या कौरव, जनता तो द्रोपदी है,
एक जुए में दांव पर लगता है, दूसरा चीरहरण करता है।
राजा हिन्दु हो या मुसलमान, जनता तो लाश है,
एक आग में जलाता है, दूसरा मिट्टी में दफनाता है।

IPS आनंद कुमार योगी की उम्मीदों पर खरा उतरे

1988 बैच के आईपीएस अफसर आनंद कुमार सरकार की गुड बुक में माने जाते हैं। अपराधियों की ऐशगाह बनी जेल का मुखिया जब से आनंद कुमार को बनाया गया तब से बड़े से बड़े अपराधी जेल में सुविधा विहीन हो गए हैं। इस बात को लेकर जहां सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ के यहां आनंद कुमार की जमकर तारीफ हो रही है वही इन्हें प्रदेश के पुलिस मुखिया की कमान संभालने की भी चर्चा निकल कर सामने आ रही है। फिलहाल डीजीपी देवेंद्र सिंह के अवकाश प्राप्त करने के बाद तीन अधिकारियों के नाम पर चर्चा होना है किंतु आनंद कुमार के नाम को लेकर कुछ ज्यादा ही समीकरण बनता नजर आ रहा है। वैसे अप्रैल 2024 तक आनंद कुमार का कार्यकाल है यदि उन्हें उत्तर प्रदेश का डीजीपी बनाया जाता है तो एक बड़ी पारी के साथ उत्तर प्रदेश की कमान संभालने वाले अधिकारी होंगे।

जलवा बरकरार : ईमानदारी की सीढ़ी चढ़कर हासिल की सफलता केशव कुमार चौधरी

लोग जहां सफलता पाने के लिए तरह तरह के हथकंडे अपनाते हैं वहीं एक ईमानदार आईपीएस अधिकारी ईमानदारी की सीढ़ी चढ़कर सफलता हासिल करता है, तो एक बहुत बड़ी बात है। ईमानदार व तेजतर्रार छवि ने 2009 बैच के आईपीएस केशव कुमार चौधरी का जलवा बरकरार रखा है। वर्ष 2015-16 में चित्रकूट के पाठा में डकैतों के गिरोहों का सफाया कर देने वाले केशव कुमार चौधरी इस समय आगरा कमिश्नरेट में एडिशनल सीपी (उपायुक्त) के पद पर तैनात हैं। दरभंगा बिहार के मूलनिवासी केशव कुमार चौधरी ने पुलिस अधीक्षक के रूप में सिद्धार्थ नगर, हाथरस, जौनपुर, रामपुर, चित्रकूट, कानपुर देहात में अपनी कार्यशैली की ऐसी छाप छोड़ी कि इन क्षेत्रों में इन्हें आज भी याद किया जाता है। अपने ईमानदार छवि और तेजतर्रार पुलिसिंग के कारण ही आज वह इस मुकाम पर हैं।

विकास की जीत का आधार : योगी

राजेन्द्र पांडेय, कार्यकारी संपादक

उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव का बिगुल बज चुका है। सभी राजनीतिक पार्टियां चुनाव प्रचार में जुट गई हैं। वर्ष 2024 में लोकसभा चुनाव होने हैं। यूपी का विधानसभा चुनाव आम चुनाव का सेमीफाइनल मना जा रहा है, क्योंकि यही चुनाव आगे के लोकसभा चुनाव की दिशा निर्धारित करेगा। यह चुनाव योगी आदित्यनाथ के लिए भी प्रतिष्ठा का प्रश्न बना हुआ है। उनका दावा है कि राज्य की जनता उनके विकास कार्यों को देखते हुए उन्हें दोबारा सत्ता का बागडोर सौंपेगी।

चुनाव से ठीक पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह नितिन गडकरी और योगी आदित्यनाथ ने राज्य में अनेक योजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ ही गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, धर्मेन्द्र प्रधान, अनुराग ठाकुर और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा तथा केंद्रीय एवं राज्य कैबिनेट मंत्री चुनाव की तैयारियों में जुटे रहे हैं।

उल्लेखनीय यह भी है कि योगी आदित्य नाथ ने मुख्यमंत्री पद का दायित्व संभालते समय राज्य के निवासियों से जो वादा किया था, उसे पूर्ण करने में उन्होंने तनिक भी कमी नहीं छोड़ी है। यह योगी जी के ही अथक प्रयास का परिणाम है कि आज उत्तर प्रदेश ने विभिन्न क्षेत्रों में देशभर में अपनी पृथक

पहचान स्थापित की है। कृषि उत्पादों में भी उत्तर प्रदेश अग्रणी रहा है। गन्ना एवं चीनी उत्पादन में उत्तर प्रदेश लगातार देश में प्रथम स्थान पर रहा। एक करोड़ 26 लाख रुपये गन्ना मूल्य का भुगतान कर उत्तर प्रदेश देश में अग्रणी रहा। खाद्यान्न गेहूं, आलू, हरी मटर, आम, आंवला एवं दुग्ध उत्पादन में उत्तर प्रदेश देश में प्रथम रहा। तिलहन उत्पादन में भी उत्तर प्रदेश प्रथम स्थान पर रहा। किसानों को देय अनुदान को डीबीटी के माध्यम से भुगतान करने वाला उत्तर प्रदेश देश का प्रथम राज्य है। उत्तर प्रदेश किसानों के लिए बाजार को व्यापक बनाने हेतु मंडी अधिनियम में संशोधन करने वाला देश का प्रथम राज्य है। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के क्रियान्वयन में भी उत्तर प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर रहा। इसके साथ ही सौभाग्य योजना के अंतर्गत एक करोड़ 38 लाख घरों को निःशुल्क विद्युत कनेक्शन देकर उत्तर प्रदेश देश में प्रथम रहा। इसी प्रकार उज्ज्वला योजना के अंतर्गत एक करोड़ 47 लाख परिवारों को निःशुल्क गैस कनेक्शन देकर उत्तर प्रदेश देश में अग्रणी रहा। उत्तर प्रदेश प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना के अंतर्गत 62 लाख 83 हजार लोगों को लाभान्वित कर देश में द्वितीय स्थान पर रहा। निर्माण कार्यों में भी उत्तर प्रदेश किसी से पीछे नहीं है। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में 40 लाख से अधिक निर्माण एवं निर्माण कार्यों को स्वीकृति देकर उत्तर प्रदेश अग्रणी रहा। इसके अतिरिक्त उत्तर प्रदेश पांच एक्सप्रेस वे का एक साथ निर्माण कर अग्रणी रहा। साथ ही 30 नये मेडिकल कॉलेजों का निर्माण करके भी उत्तर प्रदेश अग्रणी रहा है। उत्तर प्रदेश आवास योजना के अंतर्गत लाभार्थियों के आधार कार्ड सीडिंग, आवास चयन, प्रथम द्वितीय, तृतीय किस्त जारी करने और आवास निर्माण आदि के प्रदर्शन में भी अग्रणी रहा। उत्तर प्रदेश दो करोड़ 61 लाख व्यक्तिगत शौचालयों का निर्माण करके भी देश में प्रथम स्थान पर रहा है। उत्तर प्रदेश स्वास्थ्य नीति लागू करने वाला देश का प्रथम राज्य है। उत्तर प्रदेश सर्वाधिक कोरोना जांच एवं टीकाकरण करने वाला राज्य है। उत्तर प्रदेश कोरोना काल में सर्वाधिक निःशुल्क खाद्यान्न वितरित करने वाला राज्य रहा। उत्तर प्रदेश कोरोना काल में दूसरे राज्यों से घर वापस आने वाले कामगारों तथा असंगठित श्रमिकों, फेरी वालों, रिक्शा चालकों, कुलियों, पल्लेदारों आदि को निःशुल्क खाद्यान्न एवं भरण पोषण भत्ता देने वाला अग्रणी राज्य है। नोएडा में उत्तर भारत के प्रथम डेटा सेंटर की स्थापना हुई। औद्योगीकरण के लिए भूमि उपलब्धता एवं आवंटन में भी उत्तर प्रदेश देश के शीर्ष राज्यों में सम्मिलित है। साथ ही उत्तर प्रदेश सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों की स्थापना में देश में अग्रणी रहा। सैनिटाइजर और मास्क उत्पादन में भी उत्तर प्रदेश अग्रणी रहा। उत्तर प्रदेश सर्वाधिक सरकारी नौकरियां और रोजगार देने वाला राज्य है।

उत्तर प्रदेश ने एक जनपद-एक योजना को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई। उत्तर प्रदेश सभी थानों में महिला हेल्प डेस्क की स्थापना करने वाला उत्तर भारत का प्रथम राज्य है।

अपने अंदर सफल होने की तीव्र इच्छा रखो : शंकर झा

मिथिला के लाल ने कम उम्र में अपने नेक विचार और हौसले की बदौलत सफलता का परचम लहराते हुए बिजनेस की दुनिया में नाम कमाया किया और फिर जन सेवा में अपने आपको समर्पित करने की ठानी। उन्होंने एक नये अध्याय की शुरुआत की। भारतीय जनता पार्टी का हाथ थाम कर। मोदी-योगी को अपना आदर्श मानने वाले शंकर झा ने सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बीजेपी की सदस्या ग्रहण की।

जाति जनगणना कई मायनों में था जरुरी : आलोक शांडिल्य

बदले हुए राजनीतिक परिदृश्य में बहुत कुछ बदला नजर आ रहा है। जाति जनगणना के बाद विरोधी बेशक टिका टिप्पणी करते नजर आ रहे हैं, लेकिन यह इसलिए जरुरी था क्योंकि कुछ लोग जाति के आधार पर राजनीति में अपनी पैठ बनाये हुए हैं। हालांकि नीतीश को प्रधानमंत्री के लिए प्रमोट किया जा रहा है, लेकिन कूटनीति के माहिर बिहार के मुख्यमंत्री आसानी से बिहार से बाहर नहीं जाएंगे।

अमृता सिन्हा, IPS

अमृता सिन्हा को एसपी, एनआईए नियुक्त किया गया

महिला सशक्तिकरण के कारण देश में महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है जिसकी एक बानगी ये भी है। अमृता सिन्हा को पांच साल की अवधि के लिए राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) में पुलिस अधीक्षक (एसपी) के रूप में नियुक्त किया गया है। गृह मंत्रालय (एमएचए) (डीओपीटी) द्वारा जारी एक आदेश के अनुसार, सक्षम प्राधिकारी ने तिथि से पांच साल की अवधि के लिए प्रतिनियुक्ति के आधार पर सुश्री सिन्हा की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। पद का कार्यभार ग्रहण करने या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो ।

मनीष चौधरी, DSP

बिरौल एसडीपीओ मनीष चंद्र चौधरी स्वच्छ छवि वाले अधिकारी

जिनकी छवि तेजतर्रार अफसरों में होती रही है, इन्हें मौका देकर देखिए अपराधी अपराध से तौबा कर उठेगा। इसकी छवि बेहद ईमानदार वाली हैं। ये ना ही किसी की सुनते हैं और ना ही अपराधियों को बख्शते हैं। जुर्म किया है तो सजा जरुर मिलेगी। शराब माफिया हो या भू-माफिया, डॉन हो या बाहुबली इनके नाम से ही कांप जाते हैं। ये जहां जहां जिस पद पर रहे हैं वहां पर अपना जलवा बिखरते रहे हैं। अपने कनीय अधिकारियों को भरपूर सहयोग करते हैं। मिलनसार और मृदुभाषी स्वभाव के धनी है।

सुमित कुमार, DSP

बेनीपुर डीएसपी सुमित कुमार सौम्य स्वभाव के धनी

अपनी तेजतर्रार कार्यशैली के लिए जानी जाने वाले डीएसपी सुमित कुमार को बेनीपुर डीएसपी की कमान सौंपी गई है। बिहार के मिथिला क्षेत्र के रूप में जाना जाने वाला बेनीपुर एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। ऐसे में यहां पर सुमित कुमार को कुछ सोच समझकर ही नियुक्ति दी गई। प्रशिक्षण के दौरान भी अपनी काबलियत का लोहा मनवाया है। आज ये अपने क्षेत्र में अपने कार्य की बदौलत अपनी अच्छी छवि बनाये हुए है और लोगों का भी उन्हें भरपूर सहयोग मिलता है। अपने अधिकारियों से भी संतुष्ट रहते हैं।

नेहा कुमारी, DSP

मेरे रहते अपराधी दूर रहे : बेनीपट्टी डीएसपी नेहा कुमारी

बेनीपट्टी डीएसपी नेहा कुमारी ने कहा कि अपराध नियंत्रण के लिए सभी गांव के आपराधिक प्रवृति वाले लोगों को चिह्नित करने के निर्देश दिए। उन्होंने थाना क्षेत्र के संवेदनशीलता को देखते हुए क्षेत्र में कड़ी नजर रखने व शराब बंदी को प्रभावी ढंग से लागू करने का निर्देश दिया। इसके लिए दिवा एवं रात्रि गश्ती नियमित करने, वाहन चेकिंग, बैंक व पोस्ट ऑफिस समेत अन्य सार्वजनिक संस्थानों की चेकिंग अनिवार्य रूप से किये जाने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि मेरे रहते अपराधी दूर रहे।

शालू सिंह

शालू सिंह कुशेश्वरस्थान थाना, दरभंगा में एसआई के पद पर पदस्थापित हैं। ये अपने कार्य में काफी चुस्त दुरुस्त है। इनकी छवि एक कड़क पुलिस ऑफिसर वाली है। अपने काम में ये कम्प्रमाइज नहीं करती। अपराधी इनसे काफी डरते हैं।

लवली कुमारी

लवली कुमारी लहरियासराय थाना दरभंगा में तैनात हैं। चेहरे से काफी भोली दिखने वाली ये महिला अधिकारी वास्तव में अपराधियों के लिए काली का रुप हैं। ये शराब माफियाओं के लिए काल बनकर आयी हैं।

प्रिया कुमारी

प्रिया कुमारी जामो बाजार थाना सीवान में तैनात है। ये अपने कंधे पर स्टार सिर्फ शोभा के लिए नहीं सजाती, ये स्टार उन अपराधियों के लिए जो महिलाओं को कमजोर और लाचार समझते हैं उनके लिए एक चेतावनी है।

नितिका सागर

नितिका सागर टाउन थाना दरभंगा में तैनात हैं। मिथिला में जिस तरह पान और मखाना फेमस हैं उसी प्रकार अपने थाने अपनी मृदुभाषी और सहृदयीता के लिए ये जानी जाती है। सामाजिक कार्यों में इनकी भागीदारी काफी रहती है।

कई उपलब्धि पा चुके मधुबनी जिला एसपी सुशील कुमार को मिला एक और धमाकेदार उपलब्धि

जिले के झंझारपुर पुलिस ने एक ऐसे गिरोह का पदार्फाश किया है जो चोरी की गाड़ियों से शराब तस्करी के धंधे में लिप्त था। पुलिस ने इस गिरोह के एक अपराधी को 9 लाख 37 हजार नकद के साथ गिरफ्तार कर लिया है। इस बात की जानकारी एसपी सुशील कुमार ने प्रेसवार्ता में दी है। एसपी सुशील कुमार ने मीडिया से बातचीत करते हुए बताया कि एक अपराधी संजीत कुमार गुप्ता को गिरफ्तार किया गया है। वह शराब के धंधे में लिप्त था। साथ ही, चोरी तथा लूटे गए वाहनों का भी व्यवसायिक रूप से खरीद-बिक्री कर करता था। वहीं गाड़ियों के फर्जी तरीके से नंबर प्लेट एवं कागज तैयार कर उसका उपयोग भी करता था। एसपी सुशील कुमार ने कि इस बीच 2 अक्टूबर को उन्हें सूचना मिली कि शराब माफिया संजीत कुमार गुप्ता अभी झंझारपुर के एनएच 57 समिया पेट्रोल पंप से आगे स्थित गैरेज में स्कॉर्पियो को ठीक करवा रहा है। इसी सूचना के आधार पर तत्काल झंझारपुर के अनुमंडल पुलिस अधिकारी अशोक कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने उक्त गैरेज पर पहुंचकर चारों तरफ से घेराबंदी कर छापेमारी की। पुलिस टीम को देखकर एक व्यक्ति भागने लगा। जिसे विशेष टीम ने पकड़ लिया। जब उससे पूछताछ की गई तो उसने अपना नाम संजीत कुमार गुप्ता बताया। संजीत सरसोपाही थाना पंडौल जिला मधुबनी का रहने वाला है और जगदीश साह का पुत्र है। तत्काल के दौरान उसके पास से साथ 9 लाख 37 हजार रुपये बरामद किए गए। पुलिस आगे की तहकीकात कर रही है।

मधुबनी एसपी सुशील कुमार, झंझारपुर डीएसपी अशोक कुमार, इंस्पेक्टर महफूज आलम, थानाध्यक्ष रुपक कुमार अंबुज

डीएसपी अशोक कुमार झंझारपुर ने ज्वानिंग के एक महीना नहीं, एक साल नहीं महज 15 दिनों के अंदर ही कर दिया बड़ा धमाल

डीएसपी अशोक कुमार के इस बड़े कारनामें में उनका साथ दिया है इंस्पेक्टर महफूज आलम, भैरवस्थान थानाध्यक्ष रुपक कुमार अंबुज एवं एसआई वशिष्ट कुमार ने

मधुबनी जिले के एसपी सुशील कुमार ने कहा कि हमारी पहली प्राथमिकता क्राइम कंट्रोल करना होगा। वहीं एसपी सुशील कुमार ने जिले के अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठकर कर जिले में लंबित मामलों की जानकारी ली। जिले में पांचों अनुमंडल में जो भी अपराधी गंभीर मामले में फरार चल रहे हैं उसकी गिरफ्तारी जल्द से जल्द किया जाएगा। अगर कहीं भी कोई घटना होती है तो किसी भी स्तर पर अपराधी व अपराध में शामिल लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस हमेशा मामला के उद्भेदन कर अपराधियों को गिरफ्तार करने व शांति व्यवस्था बनाए रखने को लेकर तत्पर रहेंगी। साथ ही एसपी ने कहा कि जिले के सभी थाना क्षेत्र में पुलिसिंग व्यवस्था को दुरूस्त करते हुए जिले में बेहतर पुलिसिंग का स्थापना किया जाएगा।

युवा जांबाज और निडर ऑफिसर हैं

शालू कुमारी सब इंस्पेक्टर कुशेश्वर स्थान

अपने शहर को क्रिमनलों से मुक्त कराने का लक्ष्य लेकर चल रही हैं। ना ही क्रिमिनल होंगे और ना ही शहर में क्राइम होगा। युवा होने के साथ ही काम के प्रति ईमानदार और निर्भिक हैं। अपराधियों में अपने काम से खौफ पैदा कर देती हैं। इनके काम करने का अंदाज बहुत ही निराला है। खास करके महिलाओं की समस्याओं पर फोकस है।

कर्मठ और जांबाज पुलिस अधिकारी

थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर बिरौल थाना

कर्मठ और जांबाज पुलिस अधिकारी थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर बिरौल थाना बिरौल में जब से गये हैं वहां पर शांति ही शांति है। अपराधियों ने अपना रास्ता बदल लिया है। अपराध करने से पहले 10 बार सोचते हैं।

राजनीति में हैं समाजसेवा के लिए :

डॉ फैयाज अहमद

छोड़ो कल की बातें कल की बात पुरानी, नए दौर में लिखेंगे मिलकर नई कहानी, विकास की एक नई कहानी जिससे हर किसी को प्रेरणा मिलती है, जो अपने आप में एक मिशाल है, चौथा तहलका का यह स्तम्भ, समाज में छिपे महान विभूति के प्रति समर्पित है, जिनके बारे में जानने के बाद क्रांति की मशाल प्रज्वलित दिखती है।

माइक्रो प्लान : जरा बच के, जरा हटके ये हैं नीतीश कुमार मेरी जान...

सुरेश कुमार, प्रभारी संपादक

अचानक से गठबंधन की राजनीति में भाजपा का साथ छोड़ कर राजद के साथ जाने के बाद सीएम नीतीश कुमार अपने सबसे बुरे दिन में सफर कर रहे हैं। न जाने कितनी राजनीतिक लड़ाई से पार पा चुके नीतीश कुमार का आज खुद का राजनीतिक अस्तित्व एक बार फिर प्रतिस्पर्धा की धार पर चढ़ गया है। राजनीतिक संघर्ष के इस रास्ते भाजपा को शून्य पर आउट करने को संकल्पित नीतीश कुमार पर गत लोकसभा चुनाव में जीती 16 लोकसभा सीट निकालने की ही बड़ी जिम्मेवारी आ गई है। दरअसल, बिहार की राजनीति में बीजेपी के फीड बैक का अपना एक अलग तरीका होता है। हर बार कोई न कोई नया तरीका इजाद करते हैं और चुनाव की जमीनी हकीकत से गुजरते हैं। भाजपा के साथ रहते नीतीश कुमार भी जमीनी राजनीत तक संघटन बल को उतारकर चुनाव पूर्व अपने जनप्रतिनिधि की पूरी जानकारी लेते हैं। इस बार भी नीतीश कुमार ने लोकसभा चुनाव के पूर्व अपने सरकारी आवास पर पंचायत स्तर तक के नेताओं को बुलाया है। राजनीतिक गलियारों में नीतीश कुमार के द्वारा बुलाई गई 11 और 12 सितंबर की इस बैठक को भारी परिवर्तन भरा बैठक करार दिया गया है।

अमित शाह के लगातार आगमन का दबाव झेल रहे नीतीश

15 सितंबर को भाजपा के रणनीतिकार एक बार फिर बिहार आ रहे हैं। यह उनकी पांचवी यात्रा है। इस बार अमित शाह के निशाने पर दरभंगा और आसपास के लोकसभा सीट है। गौरतलब है कि अमित शाह के निशाने पर नीतीश कुमार और प्राथमिकता में बिहार की लोकसभा की 40 सीटें उसी समय बन चुकी थी, जब विपक्षी एकता की धुरी बिहार और उसके केंद्र में नीतीश कुमार आ गए थे। इसके पहले पूर्णिया, नवादा, वाल्मीकि नगर, मुंगेर की भूमि पर पहले ही दहाड़ चुके हैं। सासाराम का भी प्रोग्राम बना था पर तनाव के कारण स्थगित कर दिया गया था। बहरहाल, अमित शाह और बिहार पर उनकी चुनावी प्राथमिकता को इसी से समझ सकते हैं कि लोकसभा का विशेष सत्र शुरू होना है और 15 को अमित शाह बिहार की जनता को संबोधित करने आ रहे हैं।

लव-कुश समीकरण और भाजपा की हकमारी

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लिए सबसे बड़ी चुनौती बनी है लव-कुश समीकरण के साथ अतिपिछड़ा वोटों का महागठबंधन में जाने से बिखराव। इसके कारण उप चुनाव में दो विधानसभा क्षेत्र में हार का सामना करना पड़ा था। दूसरा संकट है दल से लव-कुश समीकरण के दो चर्चित नेताओं का जदयू को अलविदा कर जाना। पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा और पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह का भाजपा के साथ खड़े हो जाना भी नीतीश कुमार के सामने संकट खड़ा कर दिया है। उस पर भाजपा ने सम्राट चौधरी को प्रदेश अध्यक्ष बना कर कुशवाहा में जबरदस्त सेंधमारी का रास्ता निकाल भी लिया है। नीतीश कुमार के सामने इन सब के विरुद्ध अपना वजूद बचाने की चुनौती भी है।

क्या है 11 और 12 सितंबर की रणनीति?

जानकारी के अनुसार जदयू लोकसभा चुनाव को लेकर बड़ी समीक्षा बैठक करने जा रही है। सबसे पहल सीएम नीतीश कुमार की अध्यक्षता में जिला अध्यक्ष और प्रमंडल प्रभारी की बैठक होगी। यह बैठक 11 सितंबर को होगी, जिसमे नीतीश कुमार उनसे फीड बैक लेंगे। इस फीड बैक में जनप्रतिनिधि के कार्यों के बारे में, जनोपयोगी योजना के बारे में जानने की कोशिश करेंगे। वहीं 12 सितंबर को प्रखंड अध्यक्ष और विधानसभा प्रभारी, पार्टी के नेता और पार्टी के पदाधिकारी के साथ बैठक कर भी सही जानकारी हासिल करेंगे। यह बैठक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सरकारी आवास पर होगी।

रमण कुमार झा

(सरपंच ग्राम कचहरी भखराईन) हर केस पर 100% निष्पक्ष न्याय के लिए दृढ़संकल्पित हैं। व्यक्ति को ही प्राथमिकता देना इनका स्वभाव है। चाहे वो किसी भी जाति धर्म का क्यों न हो। इनकी पत्नी भी पहले पंचायत में अपनी सेवा दे चुकी हैं। लोग इनके परिवार के सदस्यों को अपने जनसेवक के रुप चुन लेते हैं।

युवाओं की प्रेरणा स्रोत है मधुबनी के सदर एसडीएम अश्वनी कुमार

युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं सदर एसडीएम अश्वनी कुमार। अपने काम से ज्यादा अपने अंदाज के लिए जाने जाते हैं, इसलिए उनके खिलाफ कई लोग पीछे पड़े, लेकिन उनका कुछ नहीं बिगड़ा, क्योंकि सच्चाई छुप नहीं सकती बनावट के वसूलों से, खुशबू आ नहीं सकती कागज के फूलों से। युवा अधिकारी होते हुए भी युवाओं से लेकर बुजुर्गों के दिलों पर राज करते हैं सदर एसडीएम अश्वनी कुमार।

शांत और मिलनसार है पदाधिकारी हैं ललन चौधरी (फुलपरास इंस्पेक्टर)

सरकारी जमीन कुछ लोगों के द्वारा ताजिया बनाने के लिए झंडे गाड़े, वहीं अन्य लोग इसका यह कहते हुए विरोध कर रहे हैं कि झंडा जमीन को अतिक्रमण करने के लिए गाड़ दिया गया है। इस बात को लेकर दो पक्षों के बीच तनातनी की स्थिति बन गई थी जिसको आपसी सहमति से सुलझा लिया गया है। हालांकि पुलिस और प्रशासन मामले को लेकर सजग है। इस मामले को निपटाने का पूरा श्रेय जाता है थानाध्यक्ष पुनि ललन प्रसाद चौधरी को।

बारीकी से थाने का जायजा लेते हैं राजगीर डीएसपी प्रदीप कुमार

अपराधी हो या पुलिसकर्मी सबकी खबर लेते हैं डीएसपी। काम के प्रति समर्पित और जनता की सेवा करने वाले पुलिसकर्मी की छवि है राजगीर डीएसपी प्रदीप कुमार की। थानों में औचक निरीक्षण कर पुलिसकर्मियों की भी समय-समय पर खबर लेते रहते हैं। वहीं अपराधियों में भी उनका खौफ दिखाई देता है। राजगीर मलमास मेले में इनकी अहम भूमिका रहती है।

महिलाओं की प्ररेणास्रोत है लवली कुमारी, पुलिस अवर निरीक्षक

अपने कार्य के प्रति कितनी ईमानदार हैं इसका आंकलन इसी से किया जा सकता है जब एक बालक के अपहरण की रपट थाने में लिखवाई गई। जिसका कांड संख्या 198/23 दिनांक 23.04.23 धारा 363/365 भादवि में सीसीटीपी फुटेज के आधार पर टीम गठित कर अपहृत बालक को सकुशल बरामद कर परिजनों के हवाले किया। जिसके लिए उन्हें पुरस्कृत भी किया गया।

नशेड़ियों, पियक्कड़ों के लिए काल हैं सदर एसडीपीओ राजीव कुमार

सदर एसडीपीओ राजीव कुमार लंबित कांडों का त्वरित निष्पादन, फरार वारंटी की गिरफ्त कुर्की जब्ती आदि कांडों का त्वरित निष्पादन करने के लिए जाने जाते हैं। नशेड़ियों, कारोबारी एवं पियक्कड़ों पर भी उनकी पैनी नजर रहती है। वहीं नियमित रूप से दिवा, संध्या एवं रात्रि गश्ती पर भी विशेष ध्यान रहता है ताकि आम जनता सुरक्षित रहे और उनकी जान माल की हिफाजत हो।

सुग्रीव हत्याकांड की आईओ बनाई गई एसआई प्रिया पंडित

जामो बाजार थाना से महज कुछ मीटर की ही दूरी पर स्थित सुग्रीम प्रसाद की मकान के पास जमीन के विवाद में हुई निर्मम हत्या के बाद घटना से आक्रोशित लोगों ने थानाध्यक्ष व गोरेयाकोठी सीओ और आरओ पर गंभीर आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ जामो चौक जाम कर घंटों नारेबाजी की व टायर जला प्रदर्शन भी किया था। केस का अनुसंधान कर्ता एसआई प्रिया पंडित को बना दिया गया।

88वां रैंक से एक नंबर रैंक तक का सफल सुशांत कुमार चंचल

सुशांत कुमार चंचल ने बीपीएससी की परीक्षा में सफलता प्राप्त कर क्षेत्र सहित जिले का मान बढ़ाया है, सुशांत चंचल बीपीएससी की 60-62 परीक्षा में टॉपर रहे हैं। बातचीत में सुशांत ने अपनी सफलता का श्रेय पिता फूल कुमार, मां विशेषा देवी, चाचा, इस उर्फ दूच झा चाची रीता देवी को दिया है। पटना रेल को चुस्त और दुरुस्त करने में अपना योगदान दे रहें हैं और सफल भी दिख रहे हैं। मिथिला के ये लाल निश्चित रुप से अपने साथ साथ मिथिलांचल का नाम रौशल करेंगे।

15 सालों तक पढ़ाईसे दूर रही पति ने डीएसपी बनाया दुर्गा शक्ति को

18 की उम्र शादी होने के बाद भी जुनून और जज्बे के साथ पति के सहयोग ने उन्हें हर परिस्थिति का सामना करने का हौसला दिया. अंततः शादी के 17 साल बाद बिहार पुलिस सेवा में डीएसपी बन गई. पति के सहयोग से ही दुर्गा शक्ति ने स्नातक और उससे आगे की पढ़ाई की फिर पुलिस सेवा में जाने की इच्छा की बात उन्होंने अपने पति से शेयर किए जिसके बाद दोनों ने मिलकर बीपीएससी की तैयारी करने की सोची.

जाति समीकरण : सवर्णों के सम्राट

बिहार की राजनीति को साधने के लिए बीजेपी ने सम्राट चौधरी जैसे युवा को प्रदेश अध्यक्ष बनाया है। सम्राट चौधरी अपने हर मूव से ये बताने में सफल हो रहे हैं कि वो सभी जातियों को साथ लेकर चल रहे हैं। बीजेपी के नए मोर्चा में सम्राट ने सवर्णों को तरजीह दी है। इसके पीछे का सच क्या है आइए समझते हैं।

सुधांशु कुमार झा

बिहार भाजपा अध्यक्ष सम्राट चौधरी के निर्देश पर भाजपा मोर्चा के अध्यक्ष एवं प्रभारी की नियुक्ति हुई है। जिनमें युवा, महिला, किसान, ओबीसी, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अल्पसंख्यक मोर्चा का गठन किया गया है। इन 7 मोर्चा के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और महामंत्री की नियुक्ति की गई है। इसके अलावा प्रवक्ताओं और पैनलिस्ट की भी सूची जारी की गई। इस सूची से साफ है कि मोर्चा के अध्यक्ष और महामंत्री के चुनाव के जरिए भाजपा ने सभी जातियों को साधने की कोशिश की है। सूची के मुताबिक, भाजयुमो के अध्यक्ष भारतेंदु मिश्रा को बनाया गया है जो ब्राह्मण जाति से आते हैं जबकि महामंत्री शशि रंजन और सीमांत शेखर को बनाया गया है जो क्रमशः भूमिहार और राजपूत जाति से हैं।

नये लोगों को दायित्व

महिला मोर्चा के अध्यक्ष का दायित्व धर्मशिला गुप्ता को बनाया गया है, जो ओबीसी जाति से आती हैं। किसान मोर्चा के अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह को बनाया गया है जो राजपूत जाति से आते हैं। ओबीसी मोर्चा का अध्यक्ष बलराम मंडल को बनाया गया है। जबकि, अनुसूचित जाति मोर्चा का अध्यक्ष लखेंद्र पासवान तथा अनुसूचित जनजाति मोर्चा का अध्यक्ष शैलेंद्र गढ़वाल को बनाया गया है। इसके अलावा अल्पसंख्यक मोर्चा का अध्यक्ष कमरू जमा को जबकि महामंत्री सरदार सूचित सिंह और मोहिन्नुल हक को बनाया गया है।

गृहमंत्री अमित शाह, बिहार बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी एवं प्रोटोकॉल संयोजक बिहार मनोज कुमार

जातीय समीकरण का ख्याल

सूची में प्रदेश पदाधिकारी प्रभारी भीम सिंह चंद्रवंशी को बनाया गया है जो कहार जाति से आते हैं। मीडिया प्रभारी का दायित्व मनोज शर्मा और दानिश इकबाल को दिया गया है। इसके अलावा 15 प्रवक्ताओं की टीम और मीडिया पैनलिस्ट में 15 लोगों को स्थान दिया गया है। सम्राट चौधरी ने इस मोर्चे में सवर्णों का खास ख्याल रखा है। सम्राट चौधरी की ओर से जो मोर्चा की टीम बनाई गई है। वो टीम बेहद कसी हुई है।

सम्राट चौधरी के इस फैसले का सभी ने स्वागत किया है। इससे पूर्व भी सम्राट चौधरी ने जो टीम बनाई थी। उसमें इस बात का ख्याल रखा था कि जातीय समीकरण नहीं बिगड़ने पाए। इस बार मोर्चे में भी उन्होंने यही किया है।

जातीय समीकरण का रखा विशेष ख्याल

बिहार बीजेपी की नई टीम में जातीय समीकरण का विशेष ख्याल रखा गया है। अति पिछड़ा समाज से 8 लोगों को रखा गया है। वहीं, भूमिहार समाज से जगन्नाथ ठाकुर, रीता शर्मा, संतोष रंजन, धीरेंद्र कुमार सिंह और अरविंद शर्मा नई टीम में शामिल हैं। बिहार बीजेपी की नई टीम में ब्राह्मण समाज से मिथिलेश तिवारी, संतोष पाठक, राकेश तिवारी, दिलीप मिश्रा, ज्ञान प्रकाश ओझा और सरोज झा हैं। वहीं, अगर राजपूत बिरादरी से बात की जाए तो राजेंद्र सिंह, नूतन सिंह, अमृता भूषण, त्रिविक्रम सिंह,आशुतोष शंकर सिंह सम्राट चौधरी के टीम में शामिल हैं। कायस्थ वर्ग से राजेश वर्मा को जगह दिया गया। वहीं, अगर पिछड़ा समाज की बात करें तो कुर्मी समाज से सरोज रंजन पटेल और प्रवीण चंद्र राय, कुशवाहा जाति से ललिता कुशवाहा, रत्नेश कुशवाहा और जितेंद्र कुशवाहा शामिल है। यादव समाज से स्वदेश यादव नई टीम के हिस्सा हैं। वैश्य समाज से से सिद्धार्थ शंभू, प्रियंवदा केसरी, संजय गुप्ता और संजय खंडेलिया। अति पिछड़ा में कहार से भीम सिंह, प्रजापति से शीला प्रजापति, नाई से अनिल ठाकुर, नोनिया से नंदलाल चौहान, तेली से नितिन अभिषेक, साहनी से राज भूषण निषाद, धानुक से ललन मंडल, दांगी से अमित दांगी को लिया गया है. जबकि अनुसूचित जाति में शिवेश राम और सुग्रीव, पासवान जाति से गुरु प्रकाश पासवान को नई टीम में शामिल किया गया है।

एसएसपी राकेश कुमार क्राइम कंट्रोल में सफल होते नजर आ रहे हैं

बिहार के मुजफ्फरपुर एसएसपी राकेश कुमार अपने काम से लोगों का दिल जीत रहे हैं। राकेश कुमार इससे पूर्व सहरसा, वैशाली, कैमूर में एसपी के रूप में अपने दायित्व का निर्वहन कर चुके हैं। मुजफ्फरपुर में एसएसपी के पद पर सरकार ने भरोसा जताया है। मुजफ्फरपुर को अपने तरीके से हैंडल कर रहे हैं। एसएसपी को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। बताते दें कि मुजफ्फरपुर उत्तर बिहार की राजधानी मानी जाती है। जो कई बड़े कुख्यात अपराधियों का अड्डा भी रहा है। नए पुलिस कप्तान किस तरह चुनौतियों का सामना करेंगे यह तो वक्त ही बताएगा। जिले में नए पुलिस कप्तान के लिए बड़ी चुनौती लंबित कांड है। लगातार उसमें जांच-पड़ताल होते रहती है, लेकिन पूरा नहीं हो पाता है। जिले में कार्यरत पदाधिकारियों की कार्यशैली भी लगातार सवालों के घेरे में रही हैं ऐसे में नए पुलिस कप्तान के लिए यह बड़ी चुनौती है कि सभी पहलुओं पर अपनी नजर रखें।"**आम जनों के सहयोग से हर काम सफल होगा। पुलिस एक ऐसी मिसाल पेश करेगी जिससे लोगों के दिल में जगह बना लेगी। पुलिस प्रशासन का हर संभव प्रयास रहेगा कि आम जनमानस का सहयोग सदैव हो। अपराधी चाहे कोई भी हो उसे किसी कीमत पर पुलिस नहीं छोड़ेगी।**

IPS सागर झा दरभंगा एसपी अपने काम में पूरी तरह सफल

सागर झा एक सफल आईपीएस के साथ साथ कुशल हार्मोनियम वादक भी हैं और गीत संगीत के प्रति इनका लगाव है। संघ लोक सेवा आयोग में बिहार के सहरसा के रहने वाले सागर कुमार झा ने परीक्षा में 13वां स्थान हासिल किया है। सागर कुमार ने चौथा तहलका से बात करते हुए कहा कि ये मेरा तीसरा प्रयास था और पहले दो प्रयास में मैं प्रीलिम्स में सफल नहीं हो सका था लेकिन मुझे अपने ऊपर भरोसा था लिहाजा मेहनत जारी रखी और रिजल्ट आपके सामने है। सागर कुमार झा की स्कूलिंग रांची डीपीएस से हुई है इसके बाद सागर ने बीएचयू आईआईटी से कम्प्यूटर साइंस में बीटेक किया और फिलहाल एक कंपनी में रिसर्च के पद पर तैनात हैं। सागर ने यूपीएस एग्जाम में 13वीं रैंकिग हासिल की है लेकिन इसके बावजूद उन्होंने पुलिस सेवा को प्राथमिकता दी हैं। उन्होंने कहा कि शुरू से उन्हें पुलिस सेवा से लगाव रहा हैं। 2016 में यूपीएससी की सेंट्रल आर्मड पुलिस फोर्स परीक्षा में उन्हें पहला स्थान हासिल हुआ था। **सागर को इस सेवा में जाने के लिए मामा और जीजा से प्रेरणा मिली। सागर के मामा भागेश्वर झा इंडियन पुलिस सेवा में है जबकि जीजा रविश रंजन डिविजनल मैकेनिकल इंजीनियर के पद पर तैनात हैं। सागर का कहना है कि पुलिस सेवा में रहकर वो वुमेन सेफ्टी के लिए काम करना चाहते हैं।**

IPS सत्यप्रकाश से जनता खुश और अपराधी हुए दुरुस्त

डा. सत्य प्रकाश दूसरी बार बांका के एसपी बनाए गए हैं। इससे पहले वो मधुबनी के एसपी थे। बांका में पदभार ग्रहण करने के लिए वो एक्शन में आ गए। क्राइम कंट्रोल उनकी पहली प्राथमिकता है। एक कड़क ऑफिसर के रूप में जाने जाते हैं डॉक्टर सत्य प्रकाश। कुछ वर्ष पूर्व भी बांका में एसपी के तौर पर रह चुके हैं। उस दौर में बेहतर पुलिसिंग और क्राइम कंट्रोल के लिए उनके कामकाज की काफी सराहना हुई थी। उस समय काफी कम दिनों के लिए वो यहां एसपी के तौर पर रहे थे लेकिन कम ही दिनों में उन्होंने बेहतरीन पुलिसिंग की एक मिसाल बांका जिले में कायम की थी। मधुबनी एसपी से बांका का एसपी बनाया गया: उन्हें मधुबनी एसपी से बांका का एसपी बनाया गया। बांका एसपी के तौर पर डॉ सत्यप्रकाश दूसरी बार पदभार ग्रहण कर रहे हैं।

फुलपरास DSP सुधीर कुमार मधुबनी जिला

अपने चीर परिचित अंदाज में फुलपरास डीएसपी सुधीर कुमार मधुबनी जिला ने कहा कि अपराधियों होशियार, अब तुम्हारी खैर नहीं। हेड क्वार्टर मुजफ्फरपुर में अपनी कमान संभालते ही उन्होंने शराब माफिया, तस्करों एवं अपराधियों को ये संदेशा दे दिया कि अब तुम्हारी नहीं चलेगी मैं अब आ गया हूं। कड़क अंदाज वाले आफिसर होने के साथ साथ जनता के लिए साफ्ट कर्नर भी रखते हैं।

प्रह्लाद झा सबइंस्पेक्टर शास्त्रीनगर थाना

प्रह्लाद झा सबइंस्पेक्टर शास्त्रीनगर थाना में कार्यरत हैं। ये अपने काम को पूजा तरह मानते हैं। सभी कार्य को सटीक ढंग से करना और उस सही समय करना कोई इनसे सीखे। अपने काम को करने में उनकों बहुत मन लगता है।

राघव झा एसआई पुलिस मुख्यालय

राघव झा एसआई पुलिस मुख्यालय में कार्यरत हैं। अपनी जाने माने अंदाज और मूछों के कारण जाने जाते हैं। इनके मूंझों की तारीफ आमजन ही नहीं बल्कि उनके आलाधिकारी भी करते नहीं थकते हैं।

चांद को जीत दुनिया को दिखाया भारत की ताकत@मोदी है तो मुमकिन है

चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग पर बोले पीएम मोदी- अब सूर्य और शुक्र से जुड़े मिशन हैं टारगेट

प्रिंस राज, प्रधान संपादक

भारत के चंद्रयान-3 का लैंडर विक्रम चांद की सतह पर सफल लैंडिंग कर चुका है. इसको लेकर देश खुशियों से झूम रहा है. बधाइयों का तांता लग गया. इस बीच ब्रिक्स सम्मेलन के लिए दक्षिण अफ्रीका पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी क्तफ्ड के वैज्ञानिकों और देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि अब सूर्य और शुक्र से जुड़े मिशन की बारी है। चंद्रमा के जिस दक्षिणी ध्रुव पर दुनिया की महाशक्तियां नहीं पहुंच सकीं, वहां हिंदुस्तान पहुंचा है। पहली बार चांद के दक्षिणी ध्रुव के पास तक कोई देश पहुंचा है। भारत के चंद्रयान-3 का लैंडर विक्रम चांद की सतह पर सफल लैंडिंग कर चुका है। चांद पर सफलतापूर्वक पहुंचने वाला भारत दुनिया का चौथा देश बन चुका है। इसको लेकर देश खुशियों से झूम रहा है। बधाइयों का तांता लग गया। इस बीच ब्रिक्स सम्मेलन के लिए दक्षिण अफ्रीका पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी क्तफ्ड के वैज्ञानिकों और देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि अब सूर्य और शुक्र से जुड़े मिशन की बारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को संबोधित करते हुए कहा कि जब हम अपनी आंखों के सामने ऐसा इतिहास बनते हुए देखते हैं तो जीवन धन्य हो जाता है। ऐसी

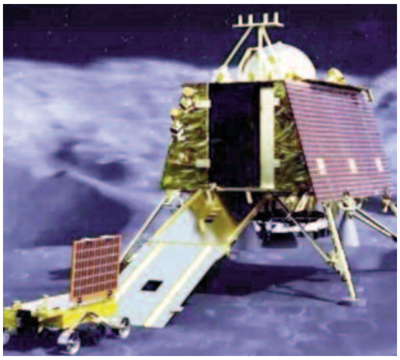

ऐतिहासिक घटनाएं राष्ट्रीय जीवन की चिरनजीव चेतना बन जाती हैं। ये पल अविश्वसनीय है। ये क्षण अद्भुत है। ये क्षण विकसित भारत के शंखनाद का है। ये क्षण मुश्किलों के महासागर को पार करने का है। ये क्षण जीत के चंद्र पथ पर चलने का है। ये क्षण 140 करोड़ धड़कनों के सामर्थ्य का है। ये क्षण भारत में नई ऊर्जा, नया विश्वास, नई चेतना का है। ये क्षण भारत के उदयमान भाग्य के आह्वान का है। ये है चंद्रयान-3 के प्रज्ञान रोवर में लगा छक्कर पेलोड जिसने यह बताया है कि चांद की दक्षिणी ध्रुव इलाके में ऑक्सीजन है। उन्होंने कहा कि अमृतकाल की प्रथम प्रवाह में सफलता की अमृत वर्षा हुई है। हमने धरती पर संकल्प लिया और चांद पर उसे साकार किया। हमारे वैज्ञानिक साथियों ने भी कहा, इंडिया इज नाउ ऑन द मून। आज हम अंतरिक्ष में नए भारत की नई उड़ान के साक्षी बने। मैं इस समय ब्रिक्स सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए दक्षिण अफ्रीका में हूं, लेकिन हर देशवासी की तरह मेरा मन चंद्रयान महाभियान पर भी लगा हुआ था। नया इतिहास बनते हुए हर भारतीय जश्न डूब गया। हर घर में उत्सव शुरू हो गया है। ह्रदय से मैं भी अपने देशवासियों के साथ अपने परिवार जनों के साथ इस उमंग और उल्लास से जुड़ा हुआ हूं।पीएम मोदी ने कहा कि टीम चंद्रयान, इसरो और देश के सभी वैज्ञानिकों को जी-जान से बहुत-बहुत बधाई देता हूं। जिन्होंने इस पल के लिए वर्षों तक इतना परिश्रम किया है। उत्साह, उमंग, आनंद और भावुकता से भरे इस अद्भुत पल के लिए मैं 140 करोड़ देशवासियों को भी कोटि-कोटि बधाइयां देता हूं। हमारे वैज्ञानिकों के परिश्रम और प्रतिभा से भारत चंद्रमा के उस दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचा है, जहां आज तक दुनिया का कोई भी देश नहीं पहुंच सका है। अब आज के बाद से चांद से जुड़े मिथक बदल जाएंगे। नई पीढ़ी के लिए कहावतें भी बदल जाएंगी। भारत में तो हम सभी लोग धरती को मां कहते हैं और चांद को मामा बुलाते हैं। कभी कहा जाता था चंदा मामा बहुत दूर के हैं। अब एक दिन वो भी आएगा जब बच्चे कहा करेंगे चंदा मामा बस एक टूर के हैं। प्रधानमंत्री ने सभी देशों के लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि इंडिया का सफलतापूर्वक मून मिशन सिर्फ भारत का नहीं है। ये मानवता की सफलता है। चंद्रयान महाभियान की ये उपलब्धि भारत की उड़ान को चंद्रमा की कक्षाओं से आगे लेकर जाएगी। हम हमारे सौर मंडल की सीमाओं को समार्थ्य परखेंगे और मानव के लिए ब्रह्मांड की अनेक संभावनाओं को साकार करने के लिए भी जरूर काम करेंगे। हमने भविष्य के लिए कई बड़े और महत्वकांक्षी लक्ष्य तक किए थे।

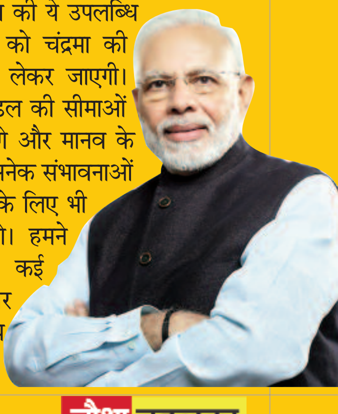

मधुबनी की धरती ने दी है ज्ञान और चिंतन को नई दिशा : जिलाधिकारी अरविंद कुमार वर्मा

जिलाधिकारी अरविद कुमार वर्मा ने कहा कि जगत जननी सीता, कवि कोकिल विद्यापति, महा अद्वैत वेदांती मंडन मिश्र, अयाची मिश्र की जन्मभूमि, महाकवि कालिदास की कर्मभूमि, महर्षि याज्ञवल्क्य की तपोभूमि और मिथिला के हृदय स्थली कही जाने वाली मधुबनी की धरती को नमन करता हूं। इस धरती ने ज्ञान और चितन को सदैव नई दिशा दी है। इस धरती ने ज्ञान को सदैव नई दिशा दी है और नव्य न्याय की आधारशिला रखने का गौरव प्राप्त किया है। कहा कि जिला प्रशासन न्याय के साथ विकास के पथ पर अग्रसर होते हुए जिले के समावेशी विकास के लिए ध्ढ़ संकल्पित है। कहा कि मधुबनी जिला में जहां विकास के अनेक संभावनाएं हैं वहीं दूसरी तरफ चुनौतियां भी कायम है। कहा की मधुबनी जिला प्रशासन गरीबों वंचितों एवं अल्पसंख्यकों को उनका वाजिब हक दिलाने हेतु सदैव प्रयत्नशील है।

निरीक्षण में त्वरित कार्रवाई करते हैं एसडीएम बेनीपुर शंभुनाथ झा

एसडीएम शंभूनाथ झा ने सझुआर पंचायत में विभिन्न विकास योजनाओं का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने का आदेश दिया। अधिकारिक सूत्रों के मुताबिक निरीक्षण में नल-जल की एक योजना बंद पायी गयी। एसडीएम ने संबंधित पंचायत सचिव को इसे शीघ्र चालू करवाने का आदेश दिया। इसके अलावा एसडीएम ने कई विद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों, पीडीएस दुकानों आदि का निरीक्षण किया।

उम्र के इस पड़ाव पर भी कर्तव्यनिष्ठ है रामाबाबू कापड़, डीएसपी आईजी ऑफिस दरभंगा

अपने जीवन काल में ड्यूटी के अंतिम पड़ाव पर पहुंच चुके रामाबाबू कापड़, डीएसपी आईजी ऑफिस दरभंगा इतने कर्त्तव्य निष्ठ अधिकारी हैं जिनसे हमें प्रेरणा मिलती है। सारा जीवन अपने काम में न्योछावर कर दिया और कभी किसी तरह की शिकायत भी नहीं की। सौम्य और मधुर अधिकारी है रामबाबू कापड़। समाज में शांति और न्याय का राज स्थापित करने में कापड़ अपनी भूमिका निभाते हैं।

सरकारी पद पर रहते हुए भी सरल हैं कीर्ति कुमार लहेरियासराय थानाध्यक्ष

सरकारी ओहदे पर रहते हुए भी सरल हैं कीर्ति कुमार लहेरियासराय थानाध्यक्ष। एक सरकारी अधिकारी होने के बावजूद ये अपने वर्दी का दिखावा नहीं करते। आमजन जीवन में भी सरल सौम्य हैं। समाज में भी अपनी भागीदारी अहम रूप से निभाते हैं। अपने सामाजिक दायित्वों के प्रति भी पूरी तरह से ईमानदार हैं।

क्राइम पर कंट्रोल ही मेरा लक्ष्य अजीत कुमार मिश्र (थानाध्यक्ष घनश्यामपुर)

शहर में उपद्रवी और शरारती तत्वों की पहचान कर उसे उसको सही जगह भेजना ही मेरी प्राथमिकता है। ऐसे लोग जो समाज और पुलिस दोनों के लिए एक चुनौती बने हुए हैं, उसे पकड़कर समाज में अमन चैन लाना है। युवाओं में बढ़ते शराब, ताड़ी आदि चीजों के सेवन करने वाले युवाओं को सही मार्ग पर लाकर उन्हें एक आम शहरी की जिंदगी बसर करने के लिए प्रेरित करने का लक्ष्य हैं।

शराब माफियाओं एवं भूमाफियाओं के खैर नहीं थानाध्यक्ष पवन कुमार सिंह

दरभंगा सदर में पोस्टेड पवन कुमार सिंह क्राइम कंट्रोल, शराबबंदी कानून को सख्ती से लागू करना एवं आम लोगों के सहयोग से शांतिपूर्ण व्यवस्था कायम करना एवं जमीन संबंधित विवादों को सुलझाना मेरी पहली प्राथमिकता होगी। अपने कड़क अंदाज से माफियाओं के बीच एक सिंघम वाली छवि बनाये हुए हैं थानाध्यक्ष पवन कुमार सिंह।

युवा, जाबांज और कर्मठ अधिकारी हैं अलीनगर थानाध्यक्ष सर्वर आलम

युवा, जाबांज और कर्मठ अधिकारी हैं अलीनगर थानाध्यक्ष सर्वर आलम। अपने काम में किसी तरह की कोताही नहीं करते। अपराधिकयों को सलाखों के पीछे भेजकर ही दम लेते हैं।

ड्यूटी को पूजा समझतें हैं दरभंगा के बहेरा थानाध्यक्ष बीके ब्रजेश

अपने कर्म से युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं बहेरा थानाध्यक्ष बीके ब्रजेश, इनके लिए ड्यूटी ही पूजा हैं। अपने काम के प्रति पूरी तरह ईमानदार है। इसके अलावे अपराधियों को नकेल कसने में भी इनका कोई सानी नहीं है।

तेज तर्रार आफिसर हैं ADG Security Bihar सुनील कुमार

आईपीएस एडीजी सिक्योरिटी सुनील कुमार को ही लें, जिनकी छवि तेजतर्रार अफसरों में होती रही है, इन्हें मौका देकर देखिए अपराधी अपराध से तौबा कर उठेगा। इसकी छवि बेहद ईमानदार वाली हैं। ये ना ही किसी की सुनते हैं और ना ही अपराधियों को बख्शते हैं। जुर्म किया है तो सजा जरुर मिलेगी। शराब माफिया हो या भू-माफिया, डॉन हो या बाहुबली सुनील कुमार के नाम से ही कांप जाते हैं। ये जहां जहां जिस पद पर रहे हैं वहां पर अपना जलवा बिखरते रहे हैं। अपने कनीय अधिकारियों को भरपूर सहयोग करते हैं। मिलनसार और मृदुभाषी स्वभाव के धनी है। सामाजिक कार्यों में भी इनकी सहभागिता काफी बढ़-चढ़ कर होती है।

कानून व्यवस्था दुरुस्त : IPS प्रशांत कुमार एडीजी UP में मिल सकती है बड़ी जिम्मेदारी

जब से आईपीएस अधिकारी प्रशांत कुमार ने एडीजी को मिल सकती है बड़ी जिम्मेदारी। कानून व्यवस्था के रूप में जब से प्रदेश की कमान संभाली अपराधियों ने उत्तर प्रदेश को छोड़ना ही मुनासिब समझ लिया। इसी बीच गुजरात की जेल में बंद माफिया अतीक अहमद के कुछ कारिंदो ने प्रयागराज में राजू पाल हत्याकांड के मुकदमे में गवाह के रूप में उमेश पाल की जैसे ही हत्या हुई एडीजी कानून व्यवस्था का पारा आसमान पर पहुंच गया। जब उन्होंने कांबिंग के साथ-साथ फील्डिंग सजाई तो कई शातिर पुलिस की गोली के निशाने बन गए। इस समय पुलिस अपराधियों से दो-दो हाथ करने में हिचक नहीं रही है। यूपी भयमुक्त होकर विकास के पथ पर अग्रसर है। इसमें बहुत बड़ा श्रेय एडीजी कानून व्यवस्था को यूपी के लोग दे रहे हैं।

अशोक कुमार सिंह एडीजी 112 : अनुशासन में रहते हैं और अधिकारियों को रखते हैं

उत्तर प्रदेश में 112 डायल हर व्यक्ति की जुबान पर है। लड़ाई झगड़े हों या किसी भी प्रकार की आपातकालीन समस्या, हर व्यक्ति के लिए 112 की टीम तत्काल राहत को लेकर पहुंचने की कोशिश में रहती है। इसकी व्यवस्था संभाल रहे एडीजी अशोक कुमार सिंह न केवल तेजतर्रार अफसर हैं बल्कि उत्तर प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ के अनुरूप काम करने वाले एक मजबूत ब्यूरोक्रेट्स के रूप में अपनी जगह बनाए हुए हैं। फिलहाल इन दिनों एडीजी 112 अशोक कुमार सिंह के कार्यशैली को लेकर ब्यूरोक्रेसी के गलियारे में लोग सम्मान के साथ स्थान देख रहे हैं।

लेडी महिला सिंघम की छवि है IPS लक्ष्मी सिंह पुलिस कमिश्नर नोएडा

IPS लक्ष्मी सिंह को नोएडा पुलिस की कमान

अपनी तेजतर्रार कार्यशैली के लिए जानी जाने वाली आईपीएस लक्ष्मी सिंह को नोएडा पुलिस की कमान सौंपी गई है। उत्तर प्रदेश के लिए औद्योगिक क्षेत्र के रूप में जाना जाने वाला नोएडा एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। ऐसे में यहां पर लक्ष्मी सिंह को कुछ सोच समझकर ही नियुक्ति दी गई। फिलहाल नोएडा पुलिस कमिश्नर के रूप में आईपीएस लक्ष्मी सिंह ने अपनी जिम्मेदारी संभाल ली है।

बिहार के सिंघम जो देश भर में सेवा को समर्पित हैं हिमांशु शेखर गौरव

यूपी हो, बिहार हो या फिर हो देश का कोई कोना, अपने जाने माने अंदाज से ही अपना जलवा बिखेरते हैं। अपराधी जिनके नाम से अपराध करना छोड़ दे, वो हैं हिमांशु शेखर गौरव। अपने सिंघम वाले अंदाज से ही अपराधियों में खौफ पैदा करने का हुनर भरा है इस व्यक्तित्व में। बिहार में करीब सौ नक्सलियों को गिरफ्तार करने का यश भी इस अधिकारी हिस्से के हिस्से है। जनता से बिल्कुल सरल अंदाज से मिलते हैं और अपराधियों से कड़क हैं। जीरो क्राइम टोलरेंश को फॉलो करते हैं और किसी के दवाब या धमकी से नहीं डरते हैं। सिर्फ अपने काम पर फोकस करते है, ऐसे हैं हमारे बिहार में सिंघम की छवि वाले एडिशनल एसपी जो वर्तमान में सीमा सुरक्षा बल में रहते हुए भी देश से जुड़े हैं।

महाराष्ट्र के IPS विवेक फंणासलकर पुलिस के लिए प्रेरणास्त्रोत

समाज में एक अलग पहचान बनाई और पुलिस अधिकारियों के लिए प्रेरणास्रोत बन गए। पुलिसकर्मियों की पत्नियों ने कमिश्नर विवेक फणसलकर को बनाया अपना भाई! कलाई पर बांधी राखी

मुंबई पुलिस कमिश्नर विवेक फणसलकर के लिए इस साल राखी का त्योहार बेहद खास और यादगार बन गया क्योंकि इस बार उनकी कलाई पर पुलिस परिवार की महिलाओं ने राखी बांधी है.

दिल्ली पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा सोशल मीडिया पर बयानबाजी से बचें पुलिसकर्मी

नई दिल्ली। जहां एक ओर आम जन सोशल मीडिया को न्यूज और ब्यूज प्लेटफार्म मानते जा रहे हैं। वहीं दिल्ली पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा ने पुलिसकर्मी को सोशन मीडिया पर बयानबाजी से बचने की चेतावनी दी। 1988 बैच के तमिलनाडु कैडर के आईपीएस अधिकारी संजय अरोड़ा ने राजस्थान के मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान से इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री हासिल की है। भारतीय पुलिस सेवा में शामिल होने के बाद, उन्होंने तमिलनाडु पुलिस में विभिन्न पदों पर कार्य किया। वह स्पेशल टास्क फोर्स के पुलिस अधीक्षक थे।

तेजतर्रार आईपीएस अधिकारी उमेश मिश्रा को राजस्थान पुलिस की कमान

IPS उमेश मिश्राः तेजतर्रार कार्यशैली ने दिलाई राजस्थान के डीजीपी की कुर्सी

उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में 1 मई 1964 को जन्मे उमेश मिश्रा को राजस्थान पुलिस का मुखिया बनाया गया है। उन्हें डीजीपी की कुर्सी ऐसे ही नहीं मिली। अपनी तेजतर्रार कार्यशैली के कारण उन्हें यह पद मिला। चुरू, भरतपुर, पाली के यसपी रह चुके उमेश मिश्रा उस समय और अधिक चर्चा में जब आ गए जब उन्होंने पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाले सैन्य कर्मियों का भंडाफोड़ किया। उस समय उमेश मिश्रा डीजी इंटेलिजेंस में के पद पर थे। मिश्रा कांग्रेस सरकार के लिए संकटमोचन भी रहे हैं और मुख्यमंत्री गहलोत के पसंदीदा आईपीएस अधिकारी रहे हैं। जिसके चलते उनको राजस्थान की कमान दे गई है।

उत्तराखंड में कानून व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए डीजीपी अशोक कुमार दिए 7 निर्देश

देहरादून। पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार ने राज्य में कानून व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए महकमे के अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बातचीत की. इस दौरान उन्होंने 7 बिंदुओं पर अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी करते हुए कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए उन सभी 7 बिंदुओं को बेहद महत्वपूर्ण बताया. उत्तराखंड में कानून व्यवस्था को बहाल रखने के लिए पुलिस महानिदेशक ने सभी जिलों के अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बातचीत की. इस दौरान जहां कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े अधिकारियों से कानून व्यवस्था के संदर्भ में क्षेत्रीय स्तर पर जानकारी ली गई तो वहीं पुलिस महानिदेशक ने 7 बिंदुओं पर अधिकारियों से बात करते हुए उन्हें इन सभी मामलों में अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश दिए.

उत्तराखंड : किसान परिवार से ताल्लुक रखने वाली रेखा यादव बनी आईपीएस

किसान की बेटी होने के नाते बचपन से ही मेहनती थी। 2019 बैच के उत्तराखंड कैडर के आईपीएस अधिकारी रेखा यादव मूल रूप से राजस्थान के जयपुर के कोटपुतली की रहने वाली है। अपने सभी भाइयों बहनों में सबसे

छोटी हैं। वे डॉक्टर बनना चाहती थी, लेकिन उनके नसीब में कुछ और लिखा था उन्होंने यूपीएससी की परीक्षा दी और परीक्षा के सभी चरण पास करने के बाद वह आईपीएस अफसर बन गई। ये उत्तराखंड के चमोली में पोस्टेड हैं।

दल-बदलू : दलों की राह में कांटे बनने को तैयार : संजय चौधरी

पांच राज्यों में घमासान से पूर्व दल से टिकट न पाने वाले दल बदलू अब अपनी ही पार्टी के प्रत्याशी की राह में कांटे बनने को तैयार हो चुके हैं। यह किसी एक दल में नहीं बल्कि सभी दलों में देखा जा सकता है।

राष्ट्रीय पार्टी का नेता हो या क्षेत्रीय दलों से जुड़ा हुआ टिकटार्थी, हर ओर टिकट मांगने वालों की भारी भीड़ है। जाहिर सी बात है किसी एक व्यक्ति को ही टिकट मिल सकता है। ऐसे में कुछ लोगों का नाराज होना तय है। अब ऐसे में टिकट न पाने वाले नेता दूसरे दलों में भी जुगाड़ बनाए हुए हैं। कुछ तो ऐसे भी प्रत्याशी हैं जो पर्चा दाखिला कराकर मान मनौव्वल एवं आगामी सरकार में कुछ ना कुछ जिम्मेदारी प्राप्त करने के लिए ही पर्चा दाखिला करने की पूरी तैयारी कर चुके हैं। फिलहाल सबसे ज्यादा अगर कहीं रार मची हुई है तो वह भारतीय जनता पार्टी है। कांग्रेस पार्टी भी इससे अछूती नहीं है। क्षेत्रीय दल भी इस परेशानी का मुकाबला करने में पसीना बहा रहे हैं। इस समय लोगों का कहना है कि नेताओं का ना तो किसी पार्टी के प्रति मोह है और ना ही उसके प्रति कोई लगाव।सत्ता सुख की लालच में सभी अपने लिए टिकट मांग रहे हैं। ऐसा भी नहीं है कि सभी नेता इसी सूची में है। किंतु अधिकांश के लिए जनता के मन में नकारात्मक धारणा है। दल बदलू नेता परेशान होकर पहले से ही दूसरे दलों में अपने मैसेंजर सेट किए हुए हैं। पार्टी में टिकट की घोषणा होने के बाद उन्हें टिकट नहीं मिला तो दूसरे दल की ओर मुंह कर लेंगे। कुछ नेताओं के लिए तो पार्टी भी इंतजार कर रही है। वह अंतिम दौर में टिकट फाइनल करेगी। फिलहाल लोकतांत्रिक व्यवस्था में चुनाव लड़ने के लिए सभी को छूट मिली है। किंतु दल से हटकर चुनाव लड़ना कहीं ना कहीं पार्टी के लिए नुकसान साबित होता ही है। ऐसे में अधिकांश दल अपने पार्टी का टिकट ऐसे समय में घोषित करते हैं, जब नामांकन को एक या दो दिन रह जाता है। फिलहाल दलबदलू पहले से ही पर्चा खरीद कर यह इंतजार करते रहते हैं कि नहीं मिला तो निर्दल ही चुनाव लड़के अपने प्रतिद्वंद्वी के राह में कांटे तो बिछा ही देंगे।

बिहार बीजेपी संगठन महामंत्री नागेंद्र नाथ त्रिपाठी बिहार के साथ झारखंड की भी जिम्मेदारी बखूबी संभाल रहे हैं

बिहार बीजेपी संगठन महामंत्री नागेंद्र नाथ का प्रमोशन कर उनकी जिम्मेदारी बढ़ा दी गई हैं। उन्हें अब बिहार के साथ झारखंड का क्षेत्रीय संगठन महामंत्री बनाया गया है। वहीं बिहार बीजेपी में अब गुजरात के संगठन महामंत्री भीखु भाई दलसानिया को बिहार प्रदेश संगठन महामंत्री नियुक्त किया गया है। राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने पत्र जारी कर इसकी घोषणा की है। बता दें कि बीजेपी में संगठन महामंत्री का पद बेहद महत्वपूर्ण होता है। आम तौर पर यह पद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के किसी कार्यकर्ता को दिया जाता है। वह संघ और भाजपा के बीच कड़ी के रूप में काम करता है। वर्तमान में भाजपा में राष्ट्रीय स्तर पर यह जिम्मा बी एल संतोष के पास है। **संगठन महामंत्री नागेंद्र नाथ जो बिहार और झारखंड प्रदेश के क्षेत्रीय महामंत्री बनाए गए हैं वे अब झारखंड की राजधानी रांची से कार्य करेंगे।**

IPS अखिलेश चौरसिया अपने उत्कृष्ठ कार्यशैली से हैं चर्चा में

अपने उत्कृष्ठ कार्यशैली से हमेशा चर्चा में बने रहते हैं। बाबा नगरी वाराणसी जैसे महत्वपूर्ण स्थान में डीआईजी रेंज का ओहदा बहुत ही महत्वपूर्ण होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकसभा क्षेत्र वाराणसी का डीआईजी रेंज बनाया जाना अपने आप में मायने रखता है। अखिलेश चौरसिया की उत्कृष्ट कार्यशैली के कारण ही उन्हें यहां की जिम्मेदारी दी गई है। इससे पूर्व बरेली के एसएसपी रहे अखिलेश चौरसिया ने अपनी पढ़ाई प्रयागराज एन आई टी से पूरी की है। कभी इंडियन आयल में अफसर रहे चौरसिया ने 2009 में आईपीएस की परीक्षा उत्तीर्ण करते हुए आजमगढ़, सीतापुर, आगरा, बरेली, प्रतापगढ़, अयोध्या, खीरी लखीमपुर, औरैया और झांसी में एसपी के रूप में कार्य किया।

50 लखिया नौकरी नहीं, IPS बनना था सपना संतोष कु. मिश्र

2012 के आईपीएस ऑफिसर संतोष कुमार मिश्र ने नवाबों के शहर लखनऊ में जब से पुलिस कप्तान का ओहदा संभाला अपराधी छोड़कर जिला भाग गए। धर्म और आस्था के साथ सख्त कानून को अमलीजामा पहनाने वाले आईपीएस संतोष कुमार मिश्र जो कभी लाखों के पैकेज पर सॉफ्टवेयर इंजीनियर रह चुके हैं, वह आईपीएस के रूप में मां विंध्यवासिनी के क्षेत्र में कानून व्यवस्था की अपनी हनक कायम कर चुके हैं। लखनऊ में खनन माफिया रहे हों या छोटे बड़े अपराधी, सब पर नकेल कसने वाले आईपीएस संतोष कुमार मिश्र की चर्चा एक मिलनसार एवं इंसाफ दिलाने वाले अधिकारी के रूप में हो रही है।

IAS डॉक्टर अखिलेश मिश्रा
मानवीय मूल्यों के मिसाल

पीलीभीत में जिला अधिकारी के पद पर डॉ अखिलेश मिश्रा रहे हो या परिवहन विशेष सचिव के पद पर वह कभी अपनी मानवीयता नहीं भूले। मन से साफ, रामचरितमानस के प्रकांड विद्वान डॉक्टर अखिलेश मिश्रा ने सदैव अपने मानवीय गुण की मिसाल लोगों तक पहुंचाई है। भले ही योगी सरकार में उन्हें किनारे रखा गया हो किंतु वह कभी भी इस बात को लेकर परेशान नहीं दिखते हैं। डॉक्टर अखिलेश मिश्रा जिस विभाग में रहे वहां के कर्मचारी एवं उनसे जुड़ने वाले लोग सदैव उनकी तारीफ करते नजर आते हैं।

यादों की स्मृति नहीं
भविष्य को भी तरूण तेजपाल का है इंतजार

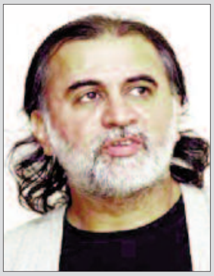

पत्रकारिता में बेनकाब मुहिम को अंजाम देकर बहुत बड़े घोटालों का पर्दाफाश करने वाला तरूण तेजपाल अगर बूरे वक्त से गुजर रहे हैं इसका अर्थ यह नहीं है कि खोजी पत्रकारिता की मुंह बंद कर दी गई हो। आज जिस आरोप के घेरे में तरूण तेजपाल है दरअसल हिंग्लिश सांस्कृति की मायावी अप संस्कृति बन गई है। जिसका कसूरवर सिर्फ पुरुष वर्ग ही नहीं है। महिला कानून के आड़ में प्रताड़ित करने की कई मामले हैं जिनसे महिलाएं भी पीछे नहीं हैं ऐसे में पुनः स्थिति मजाक के बाद गंभीर हो जाते हैं। यही तरूण तेजपाल के साथ भी हुआ, इस मामले में बदालत द्वारा कि गई कार्रवाई या फिर क्षमा याचना के बाद हम दूसरे पहलू को देखे तो खोजी पत्रकारिता का इतिहास आज भी तरूण तेजपाल का इंतजार कर रहा है।

यारों के यार और दुश्मनों के लिए तलवार है झंझारपुर के नये डीएसपी अशोक कुमार

अपने सौम्य व्यक्तित्व के लिए जाने जाते हैं झंझारपुर अनुमंडल के 35 वें एसडीपीओ अशोक कुमार। जहां एक ओर वे यारों के यार और दुश्मनों के लिए तलवार है। जात-पात से ऊपर उठकर अपने कार्य को प्राथमिकता देते हैं। गया में यातायात डीएसपी के रुप में कार्य किया जहां आम जनता इनके बारे में कहती है कि वे एक कर्मठ, ईमानदार और निष्पक्ष अधिकारी हैं। 2018 बैच के अधिकारी ने अपनी प्राथमिकता स्पष्ट कर दी है। उन्होंने बताया की विधि व्यवस्था संधारण, अपराध और अपराधियों पर नियंत्रण, नशा व शराब के माफिया पर नकेल कसने के अलावा झंझारपुर के शहर को सुंदर यातायात व्यवस्था भी देना उनकी प्राथमिकता है।

नित्या गोस्वामी डीएसपी 2021 यूपीपीसीएस

कुछ बच्चे स्कूल के दिनों में ही अपने भविष्य के सपने बुन लेते हैं. नित्या गोस्वामी भी उन्हीं में से एक हैं. इन्होंने बचपन में ही निर्णय कर लिया था कि आगे जाकर सिविल सर्विस जॉइन करना है. नित्या गोस्वामी ने 10वीं और 12वीं की परीक्षा बहराइच के इंग्लिश मीडियम स्कूल से पास की है. उन्होंने लखनऊ यूनिवर्सिटी से पहले बीकॉम और फिर एमए की डिग्री ली. इसके बाद साल 2019 में यूजीसी नेट क्वालिफाई किया. साथ ही वह यूपीएससी सिविल सर्विस परीक्षा की तैयारी भी करती रहीं.

सब इंस्पेक्टर से बने इंस्पेक्टर शिवशंकर

सुपौल जिला में कार्यरत शिवशंकर कुमार अपने कर्मठ कार्यशैली की बदौलत सब इंस्पेक्टर से इंस्पेक्टर बनाए गए हैं।

सब इंस्पेक्टर से बने इंस्पेक्टर दीपक कुमार

गया जिला में कार्यरत दीपक कुमार अपने वरीय पदाधिकारियों को अपने कार्य से खुश किया और सब इंस्पेक्टर से इंस्पेक्टर बनाए गए हैं।

दरभंगा के नए सदर एसडीपीओ अमित कुमार ने कहा, 'दरभंगा के लिए कोई नया नहीं हूं, अपराध, अर्थशास्त्र को न्याय देना ही

मुख्यालय डीएसपी अमित कुमार ने अपना कार्यभार सदर एसडीपीओ के रूप में संभाल लिया है।सदर एसडीपीओ ने कार्यभार संभालते हुये कहा कि इस जिला में मैं कोई नया नहीं हुं विगत एक साल से मुख्यालय डीएसपी के रूप में काम कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि अपराध नियंत्रण के अलावे पीड़ितों को न्याय देने के लिये वो संकल्पित है। उन्होंने कहा कि आनेवाली दुर्गापूजा दिवाली जैसे पर्व को भी शांतिपूर्ण तरीके से मनाने के लिये हर संभव प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि अपराध करने वाले उन्हें बिल्कुल पसंद नहीं है इसीलिये ऐसे लोग सामाजिक जीवन जीने का प्रयास शांतिपूर्ण तरीके से करें तो उनके लिये बेहत्तर होगा।

...नेताजी बाथरूम में है, पहले बताते थे चमचे अब बाथरूम से ही लोगों को मिलने को दे रहे संदेश

पहले नेताजी मिलने के पहले कई घण्टे बाथरूम में रहा करते थे। उनके चमचे किसी को भी यह कहने में संकोच नहीं करते थे कि नेताजी अभी बाथरुम में हैं। लेकिन जैसे ही पांच राज्यों में चुनाव की घोषणा हुई, यहां के नेताजी अब बाथरूम से ही फोन घुमा घुमा कर लोगों से मिलने के लिए बेचैन नजर आ रहे हैं।

अब छुटभईया नेता की निकल पड़ी है। वह भी क्यों ना पुराना हिसाब चुकता कर लें। छुटभैया नेताओं के साथी अब बता रहे हैं कि भैया तो कहीं निकले हैं। कोई कह रहा है हमारे भैया भी इस समय बाथरूम के अंदर हैं। यही नहीं अब चमचों की फौज अपना मोबाइल फोन लेकर छोटे नेताओं को ढूंढने के लिए निकल पड़ी है। जहां मिल गए वहीं से नेताजी की बात कराई जा रही है। छुटभैयाअब नेता जी को गच्चा दे रहे है। कह रहे हैं "मैं तो आपके साथ ही हूं नेताजी, काहे चिंता कर रहे हैं" लेकिन नेताजी कहां मानने वाले हैं। भाई एक बार आ जाओ मिल लो। अब तुम्हें ही संभालना है। जो गलती हो गई वह अब दोबारा नहीं होगी। कसमे वादों का सिलसिला जारी है। फिलहाल तू डाल डाल तो मैं पात पात, सह मात के खेल में छुट भैया नेता भी अपना खेल दिखाने के लिए तत्पर हैं। फिलहाल राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश ,तेलंगाना, मिजोरम में चुनावी सरगर्मी बढ़ गई है। अभी तो नेताओं का समीकरण अपने छुट भैया नेताओं, जातियों के ठेकेदारों तक ही सीमित है। यह जनता है सब जान रही है, किंतु बेचारी पाखंडी कलाकारों के झांसे में फंस ही जाती है। अब देखिए आगे आने वाले समय में इस बार किस दल एवं किस नेता के चंगुल में बेचारी जनता फसती है। फिलहाल गुण दोष के आधार पर सभी को अपना लीडर चुनने का अधिकार है, होना भी चाहिए। लोकतंत्र की यही खूबसूरती है। यही मजबूती है। फिलहाल लोक लुभावने और झांसे से बचते हुए एक मजबूत लोकतंत्र के लिए वोट देना सभी का मौलिक अधिकार है। जिसका प्रयोग हर व्यक्ति को आगे बढ़कर करना चाहिए।

सिंघम भईया के नाम से जाने जाते हैं लदनिया थानाध्यक्ष संतोष सिंह

मनुष्यों के दिलों में उतरने का सबसे आसान और सुगम रास्ता कहा गया है दिल को, अगर आपको किसी के मन में जगह बनाना है तो निश्चित रुप से उसका दिल जीतना होगा और उस काम को बखूबी अंजाम दिया है। मधुबनी स्थित लदनिया थाना के थाना इंचार्ज संतोष कुमार को यहां के लोग सिंघम भईया के नाम से पुकारती है। यहां की जनता के हर दुख दर्द को अपना समझकर त्वरित कार्रवाई के लिए हमेशा तत्पर रहने वाले संतोष सिंह यहां की जनता के दिलों पर राज करते हैं। वे पहले जहां एक ओर वे अपराधियों के लिए खौफ है वहीं दूसरी ओर इनका भगवान पर भी पूर्ण आस्था है। अपने पूर्व के थानांतर्गत भैरव स्थान में हनुमानजी की मंदिर का जीर्णोद्धार कराकर वे अपने आस्तिक होने का परिचय देते हैं। पूजा इनकी दिनचर्या है। वे अपने काम का पूरा श्रेय भगवान बजरंगबली को देते हैं। अपनी मेहनत और आस्था के बल पर वे यहां की जनता के लिए सिंघम भईया बनकर अपराधियों को बखसते नहीं हैं।

विशेष कार्य अधिकारी राजस्थान गवर्नर - गोविंद राम जायसवाल

अपनी नैसर्गिक प्रतिभा एवं योग्यता के बल पर ही उत्तराखंड कैडर के ब्यूरोक्रेट्स गोविंद राम जयसवाल आज राजस्थान गवर्नर महामहिम श्री कलराज मिश्र के आंखों के तारे बने हुए हैं। श्री जायसवाल इसके पहले भी उत्तराखंड में शिक्षा के क्षेत्रों में तरह-तरह के सुधार किए हैं। श्री जायसवाल प्रदेश सरकार एवं राज भवन के बीच सामंजस्य को बड़ी चतुराई के साथ बिठाते हुए कार्य करते हैं। श्री जायसवाल का जन्म स्थान उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जनपद की चिलबिला बाजार है। यहीं से केपी हिंदू इंटर कॉलेज से उन्होंने इंटरमीडिएट की परीक्षा तथा इलाहाबाद यूनिवर्सिटी से स्नातक की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद यूपी कैडर के अधिकारी बने। उत्तराखंड विभाजन के बाद श्री जायसवाल उत्तराखंड में ही रह गए।

सालों असफलता मिलने के बावजूद नहीं छोड़ा आईएएस बनने का सपना, फिर इस तरह चंद्रिमा को मिली सफलता

यूपीएससी की परीक्षा पास करना हर सिविल सेवा की तैयारी कर रहे युवा के लिए सपना होता है। लेकिन इसमें सफलता कुछ ही लोगों को मिल पाती है। आईएएस अधिकारी चंद्रिमा अत्री की कहानी भी कुछ ऐसी ही है।चंद्रिमा अत्री ने साल 2019 में ऑल इंडिया 72वीं रैंक हासिल की थी। उन्हें निबंध में अच्छे नंबर मिले थे। चंद्रिमा शुरू से ही आईएएस बनना चाहती थीं, इसलिए उन्होंने ग्रेजुएशन के बाद ही सिविल सेवा की परीक्षा की तैयारी शुरू कर दी थी। हालांकि उनके लिए यूपीएससी का पेपर क्वालीफाई करना आसान नहीं रहा। वह यूपीएससी की परीक्षा में 3 बार असफल हुई लेकिन चौथी कोशिश में उन्होंने ऑल इंडिया 72वीं रैंक पाई और आईएएस बनने का सपना साकार हुआ।

इंद्र पूजा हो, जनकल्याण हो या सफाई अभियान बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेते हैं झंझारपुर विधायक नीतीश मिश्रा

इंद्र पूजा हो, जनकल्याण हो या सफाई अभियान बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेते हैं झंझारपुर विधायक नीतीश मिश्रा। जिनको राजनीति विरासत में मिली है। उसे अपने काम की बदौलत बखूबी निभा रहे हैं। झंझारपुर विधानसभा से बीजेपी से विधायक बने नीतीश मिश्रा की लोकप्रियता क्षेत्र में अभी भी बरकरार है। राजनीति का ककहरा उनको विरासत में मिला है। उस परिवार के उत्तराधिकारी नीतीश मिश्रा है जिनके पिता जगन्नाथ मिश्रा ने तीन दशक मुख्यमंत्री के रूप में अविभाजित बिहार राज्य की सेवा की। इन्हीं के परिवार के ललित नारायण मिश्र जो पहली लोकसभा के सदस्य बनने के साथ-साथ केंद्रीय रेल मंत्री के रूप में देश की सेवा की। इसी परिवार के पण्डित राजेंद्र मिश्रा जिन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों की हालत खराब कर दी जिन्हें संविधान सभा का सदस्य भी बनाया गया था। ऐसे गरिमामई परिवार से संबंध रखने वाले लोकप्रिय जन नेता नीतीश मिश्रा के क्षेत्र के लोगों की माने तो हर व्यक्ति का फोन कॉल उठाने वाले नीतीश मिश्रा के विरोधी भी उनकी तारीफ करते हैं। **झंझारपुर के लोग दिल्ली तक अपनी आवाज नीतीश मिश्रा के माध्यम से पहुंचाना चाहते हैं।**

बूझो तो जानू : चुपके-चुपके

अवंतिका दिलीप कुमार प्रशिक्षु डीएसपी फुलपरास, मधुबनी जिला

फुलपरास अनुमंडल थाना प्रभारी सह प्रशिक्षु डीएसपी अवंतिका दिलीप कुमार ने ड्यूटी ज्वॉइन करने के साथ ही किसी प्रकार की अप्रिय घटना को अंजाम देने से पहले ही दो शातिर अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं तलाशी के क्रम में दोनों अपराधियों के पास से एक देशी कट्टा, एक जिंदा कारतूस और एक डाईगर बरामद हुआ हैं।

महज 22 साल की उम्र में काम्या मिश्रा बनी थीं पटना सदर की ASP

बिहार कैडर में एएसपी काम्या मिश्रा भारत की कई लड़कियों के लिए प्रेरणा हैं. उन्होंने पहली बार में ही भारत की सबसे कठिन परीक्षा यूपीएससी परीक्षा में सफलता हासिल कर ली थी. काम्या मिश्रा उन कुछ लोगों में से एक हैं जिन्होंने पहली बार में देश के सबसे कठिन परीक्षा माने जाने वाले यूपीएससी परीक्षा में सफलता हासिल की है. मात्र 22 साल की उम्र में वो IPS बन गयी थी.

राकेश कुमार के मुरीद हुए वर्दीधारी

जमुई **डीएसपी राकेश कुमार** की कार्यशैली को जमुईवासियों ने हमेशा सराहा है। एक्शन में देरी, काम में कोताही मंजूर नहीं और मांद में छिपे अपराधियों को धर दबोचने में वे माहिर हैं यानि एक जांबाज कप्तान की सारी खूबियां राकेश कुमार के नाम के साथ जुड़ी हैं। यह वजह है कि अन्य पुलिस अधिकारियों के साथ पुलिस मुख्यालय जाबांज पुलिस ऑफिसर के तौर पर उनकी चर्चा होती रहती है। गरीब बच्चों के पढ़ाई लिखाई का पूरा ख्याल रखते और उनसे जो भी बन पड़ता है, हर संभव प्रयास करते रहते हैं ताकि नव निहालों का भविष्य उज्जवल हो।

राजन कुमार दरभंगा जिला के पुलिस अधिकारी

दरभंगा जिला में तैनात **पुलिस इंस्पेक्टर राजन कुमार** की कार्यशैली को दरभंगावासियों ने हमेशा सराहा है। चुनावी कार्यक्रम के दौरान उनके द्वारा पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित किया गया। उनके कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन व कठिन परिश्रम के फलस्वरूप ही इस क्षेत्र में भयमुक्त वातावरण में निष्पक्ष व स्वच्छ ढ़ंग से चुनाव कार्य संपन्न हुआ। शांतिपूर्ण निष्पक्ष चुनाव कार्य संपन्न कराने के लिए वे बधाई के पात्र हैं साथ ही उनके द्वारा किए गए कार्य सराहनीय हैं जिसकी प्रशंसा करता हूं।

मिथिला के लाल ने अपने काम से किया कमाल अशोक मिश्रा, एसपी नालंदा

मिथिला के लाल ने अपने काम से किया कमाल। अशोक मिश्रा, एसपी नालंदा ने सूबे में जहां भी रहे अपने काम से अपने वरीय अधिकारियों एवं अपने सहकर्मियों का विश्वास जीता। इसी का रिवार्ड उन्हें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का गृह जिला नालंदा का कमान सौंपकर दिया गया। बिहार में नालंदा अपने पर्यटन को लेकर बहुत ही फेमस है, जिसमें वर्ल्ड कलास नालंदा यूर्निवार्सिटी है।

नियम कानून से कोई कम्परमाइज नहीं राजकिशोर कुमार बांका जिला बेलहर डीएसपी

दरभंगा यातायात डीएसपी राजकिशोर कुमार बांका जिला बेलहर डीएसपी बनाया गया है। ट्राफिक में अपने काम से सबके दिलों पर राज करने वाले राजकिशोर कुमार कहते हैं नियम कानून से कोई कम्परमाइज नहीं। कानून व्यवस्था को लेकर बेहद संजीदा करने वाले अधिकारियों में इनकी गिनती होती है। अपने इसी छवि से इनको आज इस पद पर लाकर काबिज कर दिया है।

अपराधियों होशियार, अब तुम्हारी खैर नहीं, रजौली, नवादा डीएसपी पंकज कुमार

मरने से पहले 5000 बूक पढ़ना है और 1 लाख पौधा लगाना है। अभी तक 20 हजार पेड़ लगा चुके है, जिसमें से 5 हजार पेड़ एकेडमी में लगाए हैं और

अपने सैलरी के पैसे से उस पेड़ का मेंटेनेंस करते थे। ताकतवर आदमी कभी भी न्यूट्रल नहीं होता है। अगर आप न्यूट्रल हो जाते है तो न्याय कौन देगा। कुछ दिन पहले मेरे क्षेत्र में एक लड़के का मर्डर हो गया था तो उसे लड़के की मां उनके पास आकर पैर पड़कर रोने लगी। उन्होंने उसी दिन सभी पत्रकार और पदाधिकरी के समक्ष कसम खाया कि अगर 24 घंटे के अंदर आपके बेटे के हत्यारे को पकड़ कर के नहीं लाऊंगा तो मैं अपना नौकरी से रिजाइन मार दूंगा और मैं एसपी साहब को फोन किया और एसपी साहब को बोले कि सर अगर **24 घंटे के अंदर इस केस के हत्यारे को नहीं पकडूंगा, तो आप आईजी साहब के यहां मेरा रिपोर्ट कर दीजिएगा। एसपी साहब ने बोला कि आप ज्यादा भावुक मत होइए। मैं लगातार 13 घंटे तक मेहनत किया और 13 घंटे बाद डर के मारे वह हत्यारे मेरे सामने सरेंडर कर दिया।** क्योंकि उसको यह डर था कि अगर मेरा उस ऑफिसर से आमने-सामने हो जाएगा, तो कहीं वह मेरा एनकाउंटर ना कर दे।

एसआई से इंचार्ज तक का सफर तय किया अरविंद कुमार आरएसओपी, झंझारपुर

एसआई से इंचार्ज तक का सफर तय किया अरविंद कुमार आरएसओपी, झंझारपुर ने। अपने बगल के थाने में एसआई के पद पर तैनात थे। अपने अनुभव और कार्य क्षमता के आधार पर इनको अब उन्हीं के बगल वाले थाने का इंचार्ज बना दिया गया। वे एक जुझारू और युवा पदाधिकारी हैं। नौजवान होने के नाते जोश इनमें भरपुर है और अनुभव काम करके प्राप्त किया है।

अपनी जिम्मेदारी को बखूबी निभा रहे हैं प्रह्लाद शर्मा, ओपी अध्यक्ष पतौना

अपनी जिम्मेदारी को बखूबी निभा रहे हैं प्रह्लाद शर्मा, ओपी अध्यक्ष पतौना। अपने अनुभव और लंबी पारी खेलने के कारण इनको सभी तरह के कार्यों चाहें आपराधिक हो या शराब माफियाओं पर लगाम लगाना इन्हें ये सब बखूबी निभाना आता है। अपने क्षेत्र के अपराधियों व शराब माफियाओं में इनका खौफ है। वहीं अपने उच्च अधिकारी चाहे बेनीपट्टी डीएसपी नेहा कुमारी हो या मधुबनी एसपी सुशील कुमार सबका साथ मिलता हैं।

राहुल कुमार के एटीएम में सिक्योरिटी गार्ड से लेकर बिहार के सब इंस्पेक्टर तक का सफर

उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले के कुंडा निवासी राहुल कुमार यादव की कुछ गरीबी की कहानी। सन 1993 के करीब राहुल के माता-पिता को उसके दादाजी के द्वारा घर से अलग कर दिया गया था। 6 महीना दूसरे के घर पर रहकर अपना खुद का घर उनके पिताजी अपनी मेहनत से बनाया। जब राहुल करीब 10 से 12 वर्ष का था तो गरीबी की वजह से वह होटल में छोटू का काम करता था जिसमें उसको कप, प्लेट एवं बड़े-बड़े बर्तनों को धोना पड़ता था जहां उसको ₹400 मासिक पगार दिया जाता था। जब वह 11वां, 12वां क्लास में पढ़ता था तो अपने माता-पिता के साथ साथ स्वयं वह भी स्कूल में काम करता था 12वां कंप्लीट होने के पश्चात बीएससी में एडमिशन मिलने के बाद इलाहाबाद कमाने के लिए निकल गया जहां 2013 में कुंभ मेला में करीब दो माह के अंदर ₹40000 कमा कर बीएससी का वार्षिक फीस दिया और उसके बाद 2013 में ही बद्रीनाथ टूरिस्ट में अपने दोस्तों के साथ काम करने के लिए निकल गया। बद्रीनाथ पहुंचने के पश्चात वहां उन्होंने कुछ महीनों में 80 से 90 हजार रुपया कमाया लेकिन उसी समय 2013 में ही भयंकर आपदा आने की वजह से वह पुनः अपने दोस्तों के साथ घर वापस लौट आया। जब उसके हाथ में रुपया था तो उस रुपया की वजह से उसके मन में पढ़ाई करने की इच्छा जागृति हुई और बीएससी का एनुअल एग्जाम देकर इलाहाबाद तैयारी करने के लिए निकल गया करीब 1 साल पढ़ाई करने के पश्चात उसके सारे कमाए हुए रुपया खत्म हो गया और एटीएम में गार्ड की नौकरी कर अपनी पढ़ाई जारी रखा और 2019 में उन्होंने दारोगा की परीक्षा पास की।

IPS सुरेश प्रसाद चौधरी आईजी पूर्णियाः अपराध में लिप्त कोई भी हो, पुलिसवाला या अपराधी.. छोड़ेंगे नहीं

सुरेश चौधरी

पूर्णिया के डीआईजी आईपीएस सुरेश प्रसाद चौधरी ने कटिहार के तीन पुलिस कर्मियों को उनके असंवैधानिक कृत्यों के लिए बर्खास्त कर दिया। श्री चौधरी न तो अपराधियों को छोड़ते हैं, न ही अपराधियों की तरह बर्ताव करने वाले पुलिस कर्मियों को। एक मामले में संलिप्तता पाने पर तीन पुलिसकर्मियों को कटिहार के एसपी की अनुशंसा पर न केवल इन्होंने बर्खास्त कर दिया बल्कि एक संदेश भी दे दिया कि पुलिसकर्मी भी कानून के दायरे में रहें और नहीं तो उन पर भी कार्रवाई की जाएगी। ऐसे कई मामले हैं जिनको ये सरलता से सुलझा देते हैं। पूर्णिया, कटिहार जैसे बार्डर एरिया में तस्करी काफी जोरों से होती और अपराधी पुलिस को चुनौती देते हैं ऐसे में सुरेश प्रसाद चौधरी ऐसे अपराधियों की चुनौती का बखूबी जवाब देते हैं और उनको सलाखों के पीछे ढकेल देते हैं।

IPS सुरेंद्र कुमार झा तेजतर्रार व निडर पुलिस अफसर के रूप में जाने जाते हैं

एसके झा

यदा यदा ही धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत, अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानम सृज्याहम। राष्ट्रपति पदक से दो बार 2016 व 2020 में सम्मानित हो चुके हैं। 2010 बैच के आईपीएस अधिकारी सुरेंद्र कुमार झा एक तेजतर्रार व निडर पुलिस अफसर के रूप में जाने जाते हैं। रांची में एसएसपी रहने के दौरान उनके हनक से अपराधियों की हालत पतली हो चली थी। कुछ दिनों से प्रतीक्षारत रहे श्री झा को अब एटीएस का एसपी बनाया गया है। एंटी टेररिस्ट एस्कॉर्ट के मुखिया के रूप में जिम्मेदारी संभाल रहे सुरेंद्र कुमार झा अपनी तेजतर्रार कार्यशैली से झारखंड को अमन चैन दिलाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करेंगे। तत्काल में वे एटीएस झारखंड में पदस्थापित हैं। नक्सलियों के दांत खट्टे करने के लिए झारखंड सरकार ने उन्हें यह जिम्मेवारी सौंपी है।

बांका एसडीपीओ विपिन बिहारी

विपिन बिहारी को बांका का एसडीपीओ नियुक्त किया गया है। इनसे लोगों और सरकार को काफी उम्मीद है। अपने कार्यों से काफी चर्चा में रहते हैं। इनकी छवि ईमानदार पुलिस अधिकारी वाली है। अपराध कंट्रोल में ये जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हैं।

24 घंटे फोन रिसिव करते हैं अनुमंडल अधिकारी कुमार गौरव

24 घंटे फोन रिसिव करते हैं झंझारपुर के नए **अनुमंडल अधिकारी कुमार गौरव** ने कार्यभार ग्रहण किया। इससे पहले ये वैशाली में कार्यरत थे। वैशाली में अपने कार्य से सभी की दिल जीत लिए थे। तेजतर्रार अधिकारी में इनका नाम सुमार है।

कांग्रेस की कमान अखिलेश सिंह के हाथों में आते ही और मजबूत हुई बिहार कांग्रेस

बिहार के आरा में परिवर्तन संकल्प रैली के तहत आयोजित कार्यक्रम में बिहार कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह शामिल हुए.

इस दौरान कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्हें एकजुट रहने का आह्वान किया. अखिलेश सिंह ने अपने भाषण में बीजेपी और एनडीए गठबंधन पर जमकर हमला भी बोला. कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हमारी लड़ाई गणेश जी को दूध पिलाने वाले पाखंडियों से है, जिन्होंने पूरे देश के मंदिरों में दूध पिलवाने का काम कर जनता को बांटने का काम किया है. वन नेशन वन इलेक्शन सहित सत्तापक्ष के कई बयानों को लेकर बिहार कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि नरेंद्र मोदी अगर फिर से सत्ता में आ गए तो इस देश में प्रजातंत्र नहीं रहेगा, क्योंकि नरेंद्र मोदी इस देश को पुतिन के रास्ते पर ले जाना चाहते हैं. अपने विराधियों को चेतावन देते हुए कहा कि संभल कर रहे मैं मैदान में आ गया हूं।

बिहार टेक आफ के स्टेज में पहुंच चुका है संजय झा

जल संसाधन और सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री संजय कुमार झा ने कहा कि बिहार टेक आफ के स्टेज में पहुंच चुका है. बिहार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में सड़क, बिजली और पानी की मांग से ऊपर उठ चुका है. लोगों की अपेक्षाएं भी अब बढ़ गयी है. सरकार उसको पूरा करने की दिशा में काम कर रही है. बुधवार की शाम प्रभात खबर की ओर से आयोजित डॉक्टर्स सम्मान समारोह का उद्घाटन जलसंसाधन सह सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री संजय कुमार झा और भवन निर्माण मंत्री अशोक चौधरी ने किया.

जिसके हर चाल में सफलता राज छिपा है, जो चाणक्य की भांति अपने विरोधियों को धुल चटा देते हैं मुख्यालय प्रभारी अरुण सिंह

प्रमन मिश्र, प्रबन्ध सम्पादक

मिर्जापुर के ग्राम बैधा में 4 अप्रैल 1965 को जन्मे अरुण सिंह ने प्राथमिक शिक्षा व माध्यमिक शिक्षा मिजार्पुर में ही पूरी की। उसके बाद इलाहाबाद विश्वविद्यालय से स्नातक की परीक्षा पास करने के बाद चार्टर्ड अकाउंटेंट की पढ़ाई करने वे नई दिल्ली आ गए। श्री सिंह ने 1988 में चार्टर्ड अकाउंटेंट की परीक्षा बेहतर रैंकिंग के साथ उत्तीर्ण की। आरएसएस से सेवा की राजनीति का ककहरा सीखने वाले अरुण सिंह ने युवा मोर्चा से राजनीतिक कैरियर की शुरूआत की। ऐसे योग्य भारतीय राजनेता जो चार्टर्ड

अकाउंटेंट होने के कारण देश के आर्थिक गतिविधियों पर बारीक नजर रखते हैं।

अरुण सिंह ने 5 दिसंबर 2019 में यूपी से पहली बार राज्यसभा सदस्य की शुरूआत की। वर्तमान में अगर यह कहा जाए कि नरेंद्र मोदी के सबसे विश्वसनीय व्यक्तियों में अरुण सिंह का है, तो यह गलत न होगा।राष्ट्रीय महासचिव/ मुख्यालय के प्रभारी भी हैं। व्यक्तिगत जीवन में धर्मपत्नी श्रीमती मीनाक्षी सिंह, एक पुत्र एवं दो पुत्रियों के पिता की जिम्मेदारी निभाने के साथ-साथ अरुण सिंह इस समय राजस्थान और कर्नाटक में लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा के प्रभारी की भूमिका भी निभा रहे हैं। इससे पहले उड़ीसा के प्रभारी के रूप में कार्य कर चुके हैं। प्रसिद्ध शिक्षाविद, सफल राजनीतिज्ञ अरुण सिंह के पिता विजय नारायण सिंह और माता ललिता सिंह के आशीर्वाद के साथ साथ इन पर मां विंध्यवासिनी की असीम असीम कृपा है। यही कारण है कि मां विंध्यवासिनी के दरबार में इन्हें जब भी समय मिलता है तो यह शीश झुकाने के लिए अवश्य पहुंच जाते हैं। नजदीकी सूत्रों की माने तो यह मां विंध्यवासिनी के दरबार में अपनी आध्यात्मिक ऊर्जा को मजबूत करने के लिए एकांतिक उपासना करते हैं, जिसकी भनक किसी को नहीं लग पाती।यही कारण है कि आज मां विंध्यवासिनी की कृपा और इमानदार छवि के कारण ही आज भारतीय जनता पार्टी के सबसे शक्तिशाली विंग की श्री सिंह धुरी बने हुए हैं।

राजनीतिक गलियारों में अरुण सिंह को लोग नरेन्द्र मोदी की टीम का चाणक्य कहने लगे हैं।

समाज के उत्थान और गरीब की सेवा मेरा लक्ष्य : राहुल झा

समाज के उत्थान और गरीबों क सेवा को अपना लक्ष्य मानकर चलने वाले राहुल झा युवा नेता हैं। ऊर्जावान और विचारवान होने के साथ साथ कर्मठ और ईमानदार भी हैं। जदयू से अपनी राजनीति सफर शुरू करने वाले राहुल झा अब बीजेपी का दामन थाम कर अपने सपनों को पंख दे रहे हैं। मोदी और योगी को अपना आदर्श मानते हैं।

पुलिस-पत्रकार गठजोड़

संजय चौधरी

सूचना क्रांति के बाद अब सुरक्षा क्रांति पर देश भर में नए सिरे से बहस छिड़ गया है। आज सूचना क्रांति के दम पर पूरी दुनिया एक ग्लोबल गांव में सिमट गई है। उन्नत संचार साधनों से पल भर में दुनिया के एक कोने से दूसरे कोने तक सहज ही लोग संपर्क एक-दूसरे से कर सकते हैं, लेकिन सूचना क्रांति का जो फल सामाजिक सुरक्षा को लेकर मिलना चाहिए नहीं मिल रहा है। पत्रकारिता में अब एक ऐसे दौर की शुरूआत हो चुकी है। सूचना कर्मियों को संचार सिपाही के भूमिका में आना होगा। इसके लिए पुलिस और पत्रकार का व्यापक गठजोड़ किया जाना चाहिए। पुलिस और पत्रकार के बेहतर गठजोड़ से सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है। सुचिना तंत्र - सरहद पर तैनात सीमा सुरक्षा बल से अग्रिम पंक्ति पर अपनी भूमिका अदा करे इसके लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा कानून के तहत पुलिस व्यवस्था में पत्रकारों की प्रत्यक्ष भूमिका निर्धारित करनी होगी। सूचनाएं जो सावधान कर दे। घटना या हादसे के बाद मरहम पट्टी के अलावा कुछ शेष नहीं रह जाता जबकि अगर घटनाओं से पूरी सावधानी बरते और सूचनाओं के आधार पर सुरक्षा बल सटीक कार्य करे इससे हम आपराधिक तथा आतंकी चुनौतियों से भी निपट सकते हैं।

तेज-तर्रार आईएएस अधिकारी के रूप में जाने जाते अनुज झा

बिहार के मिथिलांचल इलाके से आने वाले अनुज झा की गिनती उत्तर प्रदेश के प्रशासनिक हलकों में एक तेज-तर्रार आईएएस अधिकारी के तौर पर होती है। 2009 बैच के यूपी कैडर के आईएएस अधिकारी अनुज प्रदेश के कई जिलों झ महोबा, कन्नौज,रायबरेली, बुलंदशहर और अयोध्या में बतौर जिलाधिकारी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। महोबा, कन्नौज और बुलंदशहर में डीएम रहते हुए उन्होंने तालाबों के पुर्नरूद्वार के लिए सघन अभियान चलाया था, जिसकी काफी प्रशंसा हुई थी। उन्हें 15 नवंबर 2019 को रामजन्म भूमि-बाबरी मस्जिद विवाद से पहले अयोध्या का डीएम बनाया गया था। वे 24 अक्टूबर 2021 तक इस पद पर रहे। अयोध्या के डीएम होने के नाते अनुज श्रीराम रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में यूपी सरकार के प्रतिनिधि के रूप में पदेन ट्रस्टी रहे। आईएएस अनुज झा को जौनपुर का नया डीएम बनाया गया। वहीं जौनपुर में तैनात जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा को नोएडा का डीएम बनाया गया। बता दें कि अनुज कुमार तेज तर्रार अधिकारियों में गिने जाते हैं। वे अयोध्या के डीएम रह चुके हैं। 9 नवंबर 2019 को सुप्रीम कोर्ट ने अपने ऐतिहासिक निर्णय के जरिए आईएएस अनुज कुमार ने राममंदिर निर्माण का रास्ता साफ कर दशकों पुराने विवाद का पटाक्षेप कर दिया था।

कौन हैं नए नोएडा अथॉरिटी सीईओ लोकेश एम

अपना पद संभालते ही अथॉरिटी में उन्होंने काम के सिस्टम को दुरुस्त कर दिया। साल 2005 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी डॉक्टर लोकेश एम नोएडा अथॉरिटी के नए सीईओ पद पर तैनात किए गए हैं। लोकेश एम की तेजतर्रार अफसरों में गिनती होती है। इन्होंने उत्तर प्रदेश के तमाम जिलों में बड़ी जिम्मेदारियां निभाई है। वर्तमान में लोकेश एम कानपुर में कमिश्नर हैं। नोएडा प्राधिकरण के सीईओ पद पर तैनात किए गए लोकेश एम इससे पहले कौशांबी, अमरोहा, गाजीपुर, कुशीनगर और मैनपुरी के जिला अधिकारी रह चुके हैं। रितु माहेश्वरी को आगरा का कमिश्नर बना कर भेजा गया है। यह तबादला बुधवार की शाम को हुआ है। 2005 के आईएएस अफसर डॉक्टर लोकेश एम कर्नाटक के मूल निवासी है। 2006 में अलीगढ़ से ट्रेनिंग की थी। 10 अगस्त 2007 से 4 मई 2008 तक वह सहारनपुर में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट के पद पर रहे। 5 मई 2008 से 26 मई 2009 तक वे प्रयागराज में सीडीओ रहे। इसके बाद कौशांबी, अमरोहा, गाजीपुर, कुशीनगर, मैनपुरी में वह जिलाधिकारी रहे। उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण और नगरीय विकास विभाग में विशेष सचिव भी रहे हैं। 2016 से 2021 तक वे कर्नाटक में प्रतिनियुक्ति पर थे।

कौन हैं नोएडा के नए डीएम, आईआईटियन मनीष कुमार वर्मा

उत्तर प्रदेश सरकार ने नोएडा के डीएम सुहास एलवाई का तबादला कर दिया है, जिन्हें 2020 में कोरोनोवायरस महामारी के बीच शहर में तैनात किया गया था। मनीष कुमार वर्मा नोएडा के नए डीएम होंगे.उत्तर प्रदेश सरकार ने नोएडा के डीएम सुहास एलवाई का तबादला कर दिया है, जिन्हें 2020 में कोरोनोवायरस महामारी के बीच शहर में तैनात किया गया था। मनीष कुमार वर्मा नोएडा के नए डीएम होंगे.सुहास एलवाई को उत्तर प्रदेश सरकार के खेल विभाग के सचिव के रूप में पदोन्नत किया गया है। सुहास एलवाई को कोरोना वायरस महामारी के दौरान नोएडा भेजा गया था। उस समय वह आजमगढ़ के डीएम थे। सुहास एलवाई पैरालंपिक बैडमिंटन खिलाड़ी भी हैं। उन्होंने नोएडा डीएम के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान कई अंतरराष्ट्रीय पदक जीते।मनीष कुमार वर्मा उत्तर प्रदेश के कुशीनगर के मूल निवासी हैं. यह दूसरी बार है जब उनकी पोस्टिंग गौतमबुद्धनगर में हुई है। अपने पहले कार्यकाल के दौरान वह सिर्फ 15 दिनों के लिए नोएडा में रहे। जल्द ही उनका तबादला कौशांबी डीएम के तौर पर कर दिया गया. मनीष वर्मा ने भारतीय प्रशासनिक सेवा में अपने करियर की शुरूआत पीलीभीत से की थी। वह प्रोबेशनरी डीएम थे. फिर वह मथुरा और प्रतापगढ़ के मुख्य विकास अधिकारी रहे।

डीएसपी अमित ने अपराध कम करने में कोई कसर नहीं छोड़ी

झंझारपुर के डीएसपी अमित शरण ने अपराध को कम करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। क्षेत्र में सभी वर्ग के लोगों को साथ लेकर चलना ही उनकी सबसे बड़ी खूबी रही। इसके बाद उनका तबादला पटना सिटी में हो गया और तत्काल उनकी पोस्टिंग पुलिस मुख्यालय पटना में है। जहां अपने वरीय पदाधिकारियों का साथ दे रहे हैं और अपने अधिकारियों से काफी खुश भी रहते हैं।

अधिकारी कोई भी हो अपने कर्त्तव्य का निर्वहन करते हैं रुपक कुमार अंबुज

भैरव स्थान थानाध्यक्ष रुपक कुमार अंबुज अपने काम के लिए जाने जाते हैं। अधिकारी कोई भी को अपने कर्त्तव्य का बखूबी निर्वहन करते हैं और अपने पदाधिकारियों का प्रियपात्र बने रहते हैं। काम ही इनकी पहचान है। मधुबनी जिला अंतर्गत भैरव स्थान की जनता इनको अपने दिल में जगह देती है और इनके काम की सराहना करती है।

IPS कार्तिकेय शर्मा भारत सरकार से अनुसंधान उत्कृष्टता पदक के लिए चयनित

शेखपुरा के पुलिस अधीक्षक आईपीएस कार्तिकेय के शर्मा के द्वारा अपराध के अनुसंधान और अपराधियों की गिरफ्तारी से लेकर अपराध के मामले में सजा करवाने में पुलिस की सक्रिय भूमिका को लेकर चर्चित रहे हैं । वही शेखपुरा के पुलिस अधीक्षक कार्तिक के शर्मा को भारत सरकार के गृह मंत्रालय के द्वारा अनुसंधान उत्कृष्टता पदक के लिए चयनित किया गया है। भारत सरकार के गृह मंत्रालय के द्वारा यह पदक दिया जाएगा । चयन की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। इस मामले में मिली जानकारी में बताया गया कि पुलिस अधीक्षक कार्तिकेय शर्मा के द्वारा बरबीघा के हर्ष हत्याकांड के तकनीकी और अन्य उपयोगी साधनों के आधार पर अनुसंधान कर हत्या में शामिल गिरोह की पहचान करते हुए स्पीडी ट्रायल से आरोपितों की सजा कराई गई थी। जिले के बरबीघा प्रखंड के काशी बीघा गांव के प्रगतिशील किसान विनोद सिंह द्वारा जैविक खेती किया जा रहा है। उनके जैविक खेती की डिमांड भी काफी है। अब किसान विनोद सिंह डिजिटल तरीके से अपने जैविक खेती से उपजे फसल की बिक्री और अन्य किसानों को जैविक खेती से फसल उगाई जाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। जिसका नतीजा निकल है कि उनके द्वारा उपजाये गए जैविक फसल की काफी डिमांड है। स्वाद अच्छा होने के कारण किसान विनोद सिंह रोल मॉडल साबित हो रहे हैं। इसी कड़ी में किसान विनोद सिंह के सब्जी के स्वाद एक आईपीएस अधिकारी को इतना भाया की आईपीएस अधिकारी जैविक विधि से खेती देखने अपना पूरा परिवार के साथ गांव की ओर निकल गए। यह अधिकारी हैं शेखपुरा एसपी कार्तिकेय शर्मा। कार्तिकेय शर्मा अपने पूरे परिवार के साथ शेखपुरा जिले के बरबीघा प्रखंड के काशीबीघा गांव पहुंचे।

अपने गीतों में देशभक्ति की अमिट छाप छोड़ते हैं आईआरएस पदाधिकारी असलम हसन

आजादी के अमृत काल पर लिखा एक गीत आजकल चर्चा में है। भारत की विशेषताओं और इसकी खुबसूरती और मजबूत होते भारत की झलक दिखाती इस गीत को भारतीय राजस्व सेवा के 2005 बैच के अधिकारी और वर्तमान में सीजीएसटी पटना (रांची) प्रक्षेत्र में अपर आयुक्त के पद पर तैनात असलम हसन ने लिखा है। बॉलीवुड के मशहूर पार्श्व गायक उदित नारायण ने इसे अपनी आवाज दी है। जबकि संगीत पुष्कर मिश्रा का है। बड़ी बात है कि इस गीत के लेखक और गायक दोनों ही बिहार से जुड़े अररिया जिले के कमलदाहा गांव से आने वाले असलम हसन हिंदी साहित्य जगत में भी अपनी विशिष्ट पहचान रखते हैं। इनके पिता स्व. जुबैरूल हसन गाफिल भी उर्दू के ख्याति प्राप्त शायरों में शूमार किय जाते रहे हैं। ये पेशे से न्यायाधीश थे। आइआरएस अधिकारी असलम हसन ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव काल पर गीत लिखने के पीछे का उद्देश्य आम लोगों को आजादी के अमृत काल के गौरव का एहसास कराते हुए इसका जश्न मनाना है। जीएसटी रांची प्रक्षेत्र, पटना के मुख्य आयुक्त बी.बी. महापात्र ने इस अमृत गीत की प्रशंश की है। जीएसटी पर लिखा असलम हसन का गीत बन गया 'जीएसटी एंथम'। भारतीय राजस्व सेवा के 2005 बैच के अधिकारी असलम हसन की यह पहली रचना नहीं है। गीत के माध्यम से जीएसटी को लोकप्रिय बनाने का श्रेय भी हसन को जाता है। जीसटी की लांचिंग के वक्त इन्होंने एक देश, एक कर और एक ही बाजार, नये भारत का रख रहा है जीएसटी आधार... गीत लिखा था, जो कि आम लोगों की जुबान पर छा गया। यह गीत अब जीएसटी गान एंथम बन चुका है। इस जीएसटी गीत को मशहूर गायक जुबीन नौटियाल और अमृता फर्नांडिस ने अपनी आवाज दी थी। मुंबई और विशाखापट्टनम में इस गीत की लांचिंग भी की गयी।

अपराध और अपराधी को अपना दुश्मन मानते हैं राकेश रंजन

अपराध और आराधिकयों को अपना दुश्मन मानने वाले राकेश रंजन महाराजगंज जिला सीवान में डीएसपी के पद पर तैनात हैं। इसके पहले सीतामढ़ी जिला में अपना जलवा बिखरते हुए अपराधियों को नकेल कसने में पूरी तरफ सफल रहे।

कोयल की तरह मधुर आवाज है शिवानी झा की

शिवानी झा एक ऐसी शख्सियत हैं जो अपने आवाज से सभी को दीवाना बना देती हैं। भाषा चाहे जो भी हो मैथिली, हिन्दी या फिर भोजपुरी सभी गाने इनके मुख से सुरीले लगते हैं। रेशमी आवाज की मल्लिका और एक शांत स्वभाव की मालकिन हैं शिवानी झा।

दुनिया का 7वां अजूबा ताजमहल नहीं काशी विश्वनाथ : पीयूष तिवारी, पीआरओ

पीयूष तिवारी, पीआर ने कहा कि दुनिया का 7वां अजूबा ताजमहल नहीं काशी विश्वनाथ है। पियुष तिवारी मृदुभाषी और कर्मठ व्यक्ति है। उनका ध्येय यही रहता है कि बाबा मंदिर को देश ही नहीं दुनिया के सर्वोच्चतम मंदिर में शामिल करवा दें। उन्होंने कहा कि देश विदेश में उत्तर प्रदेश की पहचान रहे आगरा के ताजमहल को देखने के लिए लाखों पर्यटक पहुंचते हैं, लेकिन इस बार वाराणसी में नए बने काशी विश्वनाथ धाम में जो संख्या इस बार दर्शन के लिए पहुंची है, वह आप को अचंभित कर देगी। आंकड़ें इस बात की गवाही दे रहे हैं कि पीएम नरेंद्र मोदी के सांस्कृतिक पर्यटन के सपने को पूरा करने के लिए लोग बड़ी संख्या में उमड़ रहे हैं। सावन के महीने में नव निर्मित काशी विश्वनाथ धाम में रोजाना करीब ढाई से तीन लाख लोग दर्शन करने के लिए पहुंचे। इसी दौरान विश्व धरोहर के रूप में विख्यात ताज नगरी में महज ये आंकड़ा रोजाना करीब एक लाख का ही रहा। एक ओर जहां पीक सीजन में आगरा में आंकड़ा पचास लाख पहुंचता है तो काशी विश्वनाथ धाम में ये आंकड़ा तीन गुना ज्यादा डेढ़ करोड़ तक पहुंच गया। 2021 के दिसंबर महीने में पीएम मोदी ने काशी विश्वनाथ मंदिर के धाम का लोकार्पण किया था। इसके बाद से ही काशी में धार्मिक पर्यटन पर आने वाले लोगों की संख्या में खासा इजाफा देखा गया। काशी विश्वनाथ मंदिर प्रशासन की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक इस बार के सावन महीने में रोजाना करीब ढाई से तीन लाख लोग दर्शन के लिए पहुंच रहे थे। विश्वनाथ धाम के पीआरओ पीयूष तिवारी ने बताया कि यह आंकड़ा सावन के सोमवार के दिन 8 से 10 लाख पहुंच रहा था। पीयूष तिवारी के मुताबिक करीब डेढ़ करोड़ लोगों ने इस बार काशी विश्वनाथ के दरबार में मत्था टेका। इतना ही नहीं अलग-अलग तरीकों से करीब 5 करोड़ से ज्यादा का दान भी मंदिर प्रशासन को इन श्रद्धालुओं से मिला है। आगरा के वरिष्ठ पत्रकार और पर्यटन पर बीते 10 सालों से लगातार अपनी नजर बनाए रखने वाले इकबाल ने बताया कि औसतन आगरा के ताजमहल को देखने के लिए करीब एक लाख लोग रोजाना पहुंचते हैं। बीते महीने की अगर बात की जाए तो भी यह आंकड़ा लगभग इतना ही था। सितंबर के बाद जब मौसम थोड़ा ठंडा होता है तो यहां पर यह आंकड़ा थोड़ा बढ़ जाता है और 1 महीने में करीब पचास लाख की संख्या में पर्यटक ताजमहल के दीदार करने आते हैं। लेकिन वहीं काशी विश्वनाथ धाम की बात की जाए तो इसके पिक सीजन यानी सावन के महीने में यह आंकड़ा आगरा के ताजमहल से करीब 3 गुना ज्यादा डेढ़ करोड़ तक पहुंच गया। वाराणसी के वरिष्ठ पत्रकार और करीब 2 दशकों से बनारस में हो रहे बदलावों को देखने वाले रत्नेश राय ने एनबीटी ऑनलाइन से बताया की पीएम मोदी ने सांस्कृतिक पर्यटन के रूप में काशी ही नहीं बल्कि अयोध्या को भी विकसित किया है। प्रदेश में योगी सरकार के साथ मिलने की वजह से इस सांस्कृतिक पर्यटन के क्षेत्र में असीम संभावनाएं पैदा हुई है। इसका असर अब आंकड़ों में दिख रहा है। बात चाहे अयोध्या के देव दीपावली की की जाए या काशी के काशी विश्वनाथ धाम की यह दोनों ही नए स्वरूप में बन कर तैयार हुए हैं या हो रहे हैं। ताजमहल जो वर्षों से विश्व धरोहर में शामिल है, उसको पीछे छोड़ना कहीं न कहीं पीएम मोदी के सांस्कृतिक पर्यटन के सपने को साकार करता दिख रहा है।

कौन-सा रुद्राक्ष, किस तरह है लाभकारी...

अजय झा
मुख्य पुजारी देवघर

हमारे धार्मिक ग्रंथों में रुद्राक्ष के महत्व की खूब चर्चा की गई है. हर तरह का रुद्राक्ष किसी न किसी रूप में लाभकारी बताया गया है. हर रुद्राक्ष के एक कोने से लेकर दूसरे कोने तक कुछ धारियां खिंची होती हैं. इन्हें मुख कहा जाता है. हमारे धार्मिक ग्रंथों में रुद्राक्ष के महत्व की खूब चर्चा की गई है. हर तरह के रुद्राक्ष को किसी न किसी रूप में बेहद लाभकारी बताया गया है. हर रुद्राक्ष के एक कोने से लेकर दूसरे कोने तक कुछ धारियां खिंची होती हैं. इन्हें मुख कहा जाता है. आगे चर्चा की गई है कि किस तरह का रुद्राक्ष धारण करने से क्या लाभ होता है...

1. एकमुखी रुद्राक्ष : एकमुखी रुद्राक्ष दुर्लभ माना जाता है. इसे साक्षात शिव बताया गया है. माना जाता है कि इसे धारण करने से व्यक्ति को यश की प्राप्ति होती है.

2. दो मुखी रुद्राक्ष : दो मुखी रुद्राक्ष को देवी और देवता, दोनों का स्वरूप बताया गया है. इसे धारण करने से कई तरह के पाप दूर होते हैं.

3. तीन मुखी रुद्राक्ष : तीन मुखी रुद्राक्ष को अनल (अग्नि) के समान बताया गया है.

4. चतुर्मुखी रुद्राक्ष : चार मुखी रुद्राक्ष को ब्रह्मा का रूप बताया गया है. शास्त्रों में लिखा है कि इसे धारण करने से ब्रह्म हत्या का पाप नष्ट हो जाता है.

5. पंचमुखी रुद्राक्ष : पंचमुखी रुद्राक्ष को स्वयं रुद्र कालाग्नि के समान बताया गया है. इसे धारण करने से शांत व संतोष की प्राप्ति होती है.

6. छह मुखी रुद्राक्ष : छह मुख वाले रुद्राक्ष को कार्तिकेय का रूप कहा गया है.

दर्द कितना है ने गायिका निशि सिंह को दिया नया आयाम, लाखों लोगों ने सराहा

पति आलोक कुमार IPS के साथ निशी सिंह

एल्बम 'दर्द कितना है' को लाखों लोगों ने सराहा। उन्होंने संगीत को एक नया आयाम दिया है। उनका इस सफल में उनके पति आईपीएस अधिकारी आलोक कुमार साथ निभा रहे हैं। विमोचन इंडिया इंटरनेशनल सेंटर मे किया गया। टी सीरीज ने गायिका निशि सिंह का यह तीसरा एल्बम निकाला है। अभी तक चार लाख से अधिक लोगों ने इस एल्बम को सुना है। 'दर्द कितना है' के विमोचन कार्यक्रम मे संगीत की दुनिया के मशहूर सितारों के साथ- साथ दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी, निशिकांत दुबे, समाज उद्यमी संजय राय की उपस्थिति रही। कार्यक्रम मे टॉलीबुड के सुपरस्टार हिरेन चक्रबर्ती, प्रसिद्ध पंजाबी गायक जसबीर जस्सी, गायक प्रेम भाटिया, फिल्म निमार्ता अरुण पांडेय, निमार्ता नितिन अरोड़ा, भोजपुरी सम्मेलन के अध्यक्ष अजीत दुबे, विनयमणि त्रिपाठी, ध्वनि जैन एवं दिल्ली पुलिस के जॉइंट कमिश्नर आलोक कुमार ने शिरकत की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मनोज तिवारी ने कहा कि निशि सिंह ने पंजाबी और हिंदी गायन मे समान रूप से लोकप्रियता हासिल की हैं और अपनी लगन और मेहनत से संगीत की दुनिया मे मुकम्मल पहचान बनायीं हैं। सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि निशि सिंह की संगीत की यात्रा प्रेरक है। बहुआयामी व्यक्तित्व की धनी निशि सिंह का संगीत प्रेम पवित्र साधना की तरह है। प्रसिद्ध पंजाबी गायक जसवीर जस्सी ने कहा की निशि सिंह के गायन मे विविधता है।

संस्कृति और संस्कार की मिसाल हैं आईपीएस रिश्मा रमेशन और आईपीएस अंजनी अंजन

पलामू की नई एसपी रिश्मा रमेशन बनीं। इस जिले में पहली बार महिला आईपीएस को एसपी की कमान सौंपी गई है। ग्राम्य पुलिस अधीक्षक रिश्मा रमेश से पहले ग्राम्य पुलिस अधीक्षक के पद पर दस्तक दी। रीशमा ने शादी को आधार बताते हुए झारखंड कैडर में आने के लिए केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय से पत्राचार किया था। इसके बाद उनकी सेवा झारखंड कैडर को सौंप दी गई है। इससे पहले भी राज्य पुलिस के कई अधिकारियों की सेवा शादी के आधार पर दूसरे कैडरों से झारखंड को मिली है। उत्तर भारत में मनाया जाने वाला छठ पर्व अब देश के कोने कोने में फैल रहा है. इसे छठ महापर्व की अलौकिकता ही कहेंगे कि इसके नियम-निष्ठा को करीब से देखने वालों की आस्था इसमें जागृत हो उठती है. केरल की रहने वाली और तत्कालीन धनबाद ग्रामीण एसपी रिष्मा रमेशन ने भी चार दिन की छठ पूजा पूरे विधि-विधान से थी पूजा. इस दौरान लातेहार एसपी अंजनी अंजन ने दउरा अपने सिर पर उठाया था.

चंदन झा ने रांची एसएसपी

आईपीएस अधिकारी चंदन झा ने रांची के नए एसएसपी के पद पर योगदान दिया। पूर्व एसएसपी किशोर कौशल ने उन्हें नए एसएसपी का चार्ज सौंपा। नए एसएसपी चंदन झा ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को लेकर पुलिस हमेशा तत्पर रहेगी। शहर में बढ़ी आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाया जाएगा। इसके लिए थानेदारों को टास्क भी दिया जाएगा।

सहरसा एसपी उपेंद्र नाथ वर्मा, 2013 बैच

तेज तर्रार आईपीएस अधिकारी जिले के 64 वें एसपी 2013 बैच के उपेंद्र नाथ वर्मा बने हैं। पदस्थापना की सूचना पर लोगों को नए एसपी से कई उम्मीदें जुड़ गई है, तो कई चुनौतिया भी हैं। नये एसपी के सामने जो चुनौतिया हैं। प्रमंडलीय मुख्यालय होने के कारण अपराध, भू-माफियाओं पर अंकुश लगाना, शराबबंदी कानून का सख्ती से पालन कराना, लूट व छिनतई की घटना पर ब्रेक लगाना नए एसपी के सामने चुनौती है। वे पश्चिम चंपारण बेतिया में एसपी के रूप में पदस्थापित थे। मूल रूप से नवादा के रहने वाले आईपीएस अधिकारी उपेंद्र नाथ वर्मा से सहरसा वासियों को काफी उम्मीद है।

साइबर ठगों के लिए यमराज हैं आईपीएस आशीष भारती

साइबर ठगों के लिए यमराज हैं आईपीएस आशीष भारती। अपने काम करने के तरीके से अंतरराज्यीय साइबर ठग गिरोह का पदार्फाश करने में सफलता पाई है। इन्होंने कई बड़े साइबर ठगों को सलाखों की पीछे ढकेला है। ये अभी गया में पोस्टेड हैं जहां नक्सलियों से पंगा लेते रहते हैं।

संजीव रंजन के लिए पॉलिटिकल सामंजस्य सहित सरकारी योजनाओं को अमली जामा पहनाना होगी चुनौती

प्रतापगढ़। जनपद उत्तर प्रदेश का बहुत चर्चित जिला माना जाता है। यहां पर सत्ता पक्ष से मात्र एक सदर विधायक राजेंद्र मौर्य हैं, तो एक सहयोगी दल से विश्वनाथगंज विधायक जीत लाल पटेल, जो अपना दल सोने लाल याने कि सहयोगी दल से। इसके अलावा राज्यसभा राजस्थान से चुने गए प्रमोद तिवारी एक बड़े कद्दावर नेता हैं,जिनकी बेटी आराधना मिश्रा रामपुर खास से विधायक हैं। बहुत चर्चित राजा भैया स्वयं और अपने सहयोगी के साथ न केवल अपने दल जनसत्ता दल के दो विधायकों का नेतृत्व करते हैं बल्कि जिला पंचायत में भी उन्हीं का बोर्ड बना हुआ है। दो विधानसभा पट्टी और रानीगंज पर समाजवादी पार्टी ने कब्जा बनाया हुआ है। ऐसे में शासन सत्ता के काम के साथ राजनीतिक कद्दावरों में सामंजस्य बिठाना भी नवागत जिला अधिकारी संजीव रंजन के लिए चैलेंज के रूप में रहेगा।फिलहाल बिहार के नालंदा के रहने वाले संजीव शरण संभल, सिद्धार्थनगर में डीएम के रूप में कार्य किया है। गोरखपुर के कार्यपालिका अधिकारी भी रह चुके हैं। योग्य अनुभव कहीं ना कहीं उनके लिए काम आएगा। फिलहाल इससे पहले के जिलाधिकारी श्री प्रकाश चंद श्रीवास्तव सरकारी योजनाओं और समस्याओं को आइजीआरएस पोर्टल पर निराकरण न कर पाने के कारण मात्र 3 महीने में ही विदा हो गए। क्योंकि 2024 आगामी लोकसभा का चुनावी वर्ष है। ऐसे में सभी जिलाधिकारी पर शासन की पैनी नजर तो रहेगी।

आईये जानते हैं संजय प्रसाद जो बन गए यूपी सरकार में सबसे 'ताकतवर' आईएएस अफसर?

पद के लिहाज से बेशक मुख्य सचिव या पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) का पद प्रदेश का सबसे बड़ा पद माना जाता है लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गवर्नेंस के एजेंडे के हिसाब से 'गृह' और 'सूचना' सबसे अहम पद हैं. जो इस पद पर बैठता है, उसका कद सबसे बड़ा होता है. इस पद पर अब संजय प्रसाद नजर आएंगे. दरअसल, 1 सितंबर की सुबह यूपी ब्यूरोक्रेसी में अचानक ही बड़ा बदलाव हुआ. यूपी के टीम 9 में कई अहम नौकरशाहों को अचानक ही बदल दिया गया, लेकिन इस बदलाव में एक अहम चीज जो दिखाई दी. वो ये कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रमुख सचिव संजय प्रसाद सबसे ताकतवर होकर उभरे. संजय प्रसाद को प्रमुख सचिव गृह और प्रमुख सचिव सूचना, दोनों की जिम्मेदारी एक साथ दे दी गई. यह वही पद है जो कभी अवनीश अवस्थी के पास एक साथ हुआ करता था. यानी 2017 से 2022 के दौरान जिस पद और जिस कद के साथ अवनीश अवस्थी, योगी के सबसे ताकतवर नौकरशाह थे है, अब वही पद और कद संजय प्रसाद का होगा. लगभग 3 सालों से संजय प्रसाद, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रमुख सचिव होने के साथ सीएमओ की जिम्मेदारी भी देखते रहे हैं. यही नहीं वो सचिव सूचना के पद पर भी तैनात रहे हैं. मुख्यमंत्री योगी के सबसे खासमखास अधिकारियों में शुमार है संजय प्रसाद 1995 बैच के आईएएस अधिकारी हैं और मूल रूप से बिहार के रहने वाले हैं.संजय प्रसाद की खासियत है कि आंकड़ों में उन्हें महारत हासिल है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पास आंकड़ों के साथ अगर कोई कागज भेजना होता है तो संजय प्रसाद के जरिए जाता है, क्योंकि माना जाता है विभाग चाहे कोई हो डाटा या आंकड़ा संजय प्रसाद से गुजर कर आता है.मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आसपास अगर साए की तरह कोई एक अधिकारी मौजूद होता है तो उनका नाम संजय प्रसाद है. वह चाहे मुख्यमंत्री आवास हो, वह चाहे लोकभवन में मुख्यमंत्री का कार्यालय हो या फिर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की यात्राएं हो. संजय प्रसाद चलते-फिरते मुख्यमंत्री के दफ्तर के रूप में उनके साथ होते हैं.

कोरोना के भयावह हालात के बीच संजय प्रसाद योगी आदित्यनाथ के सबसे करीब रहे. चाहे कोविड के दौरों में साथ रहना हो या सरकारी और राजनीति की यात्राएं हो. प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री के तौर पर संजय प्रसाद हमेशा नजर आते थे.नवनीत सहगल को जब एसीएस सूचना बनाया गया था, तब सचिव के तौर पर सूचना विभाग में मुख्यमंत्री के आंख-कान थे.

संकल्प और समर्पण की मिसाल हैं शीला ईरानी

साधारणतया किसी राज्य में पुलिस सेवा के अधिकारी को प्रशासनिक सेवा में तभी लिया जाता है जब उसकी कार्यशैली से राज्य के प्रमुख प्रभावित हो।

पटना शहर को स्वच्छ और अतिक्रमण मुक्त बनाने की कमान संभाल रही अपर नगर आयुक्त शीला ईरानी पुलिस सर्विसेज से है और 2018 में यहां हुई पोस्टिंग से पहले बीएमपी -01 में अपर पुलिस अधीक्षक के पद पर थी। माना जाता है कि इनकी कार्यकुशलता और मजबूत छवि के कारण बिहार के मुख्यमंत्री ने राजधानी को स्मार्ट सिटी के तौर पर स्वच्छ, अतिक्रमण मुक्त , अवैध निर्माण पर रोक आदि कार्य के सुचारू संचालन के लिए शीला ईरानी पर विश्वास किया। शीला पटना नगर निगम में नियुक्ति के साथ ही शहर को स्वच्छ रखने और यातायात सुगम करवाने को लेकर प्रयासरत हैं। डोर टू डोर कचरा संग्रहण की बेहतर व्यवस्था को शुरू करवाने के साथ ही वे सड़क पर कचड़ा फेंकने वालों पर सख्त कार्रवाई के लिए चर्चित है। लेडी सिंघम के नाम से पटना में फेमस शीला ईरानी अवैध कब्जा करने वाले बड़े से बड़े माफियाओं पर कार्रवाई से नहीं घबराती।शीला ईरानी का जन्म एक मध्यमवर्गीय परिवार में हुआ , पिता ज्वाइंट लेबर कमिश्नर थे और उन्होंने हमेशा अपने बच्चों को उच्च मानवीय मूल्यों की शिक्षा दी। शीला की स्कूलिंग गिरिडीह के कार्मेल स्कूल से हुई और उन्होंने पटना विमेंस कॉलेज से ग्रेजुएशन किया। वर्ष 2000 में ये पुलिस सर्विसेज में आ गई। एसपी रैंक की अधिकारी शीला पटना की ट्रेफिक डीएसपी , टाऊन डीएसपी के पोस्टिंग के दौरान अपनी कड़क और ईमानदार छवि के लिए मशहूर रही है। वर्ष 2002 में शीला ईरानी बिहार की पहली महिला पुलिस अधिकारी बनी जिन्होंने गणतंत्रता दिवस पर गांधी मैदान में परेड का नेतृत्व किया। विशिष्ट कार्य के लिए शीला ईरानी को इंटर्नल सिक्युरिटि अवार्ड और क्राईम कंट्रोल के लिए डीजीपी से प्रशस्ती पत्र भी प्राप्त हो चुका है। अपने बीस साल के कार्यकाल में उन्होने अपनी मजबूत कार्यशैली, ईमानदारी और कड़क छवि की छाप छोड़ी है।

झंझारपुरवासी कभी ना भूल पायेंगे डीएसपी आशीष आनंद को

झंझारपुर के लोगों के दिलों में एक अमिट छाप छोड़कर चले गये हैं डीएसपी आशीष आनंद। जिनको वहां के लोग अपने जीवन में कभी नहीं भूल पायेंगे। मृदुभाषी और सहज व्यक्तित्व के धनी आशीष आनंद आम जनता से इतने घुलमिल गये थे जिसे याद कर वहां लोग आज भी भावुक हो जाते हैं और कहते है कहां चले गये साबह।

एएसआई से बना एस आई सौदागर पासवान

मिलनसार स्वभाव के पुलिस अधिकारी सौदागर पासवान बहुत ही नेक दिल इंसान होने के साथ साथ एक अच्छे पदाधिकारी भी हैं।

धरती के भगवान है डॉक्टर्स

डॉ. विमल कुमार, झंझारपुर

डॉ. संजय झा, दरभंगा

डॉ. राकेश कुमार, पटना

डॉ. एनसी मिश्रा, भगवतीपुर

डॉ. निहारिका, पटना

डॉ. अभिषेक, पटना

डॉ. विमल कुमार, झंझारपुर

डॉ. पुष्पा झा, दरभंगा

डॉ. सुधा झा, झंझारपुर

डॉ. अनीता अम्बष्ठ, पटना

डॉ. भाव्या झा, दरभंगा

डॉ. यूसी झा, दरभंगा

डॉ. राजीव कुमार, पटना

डॉ. सुरबिन्द कु. झा, झंझारपुर

डॉ. पीके भट्टाचार्य, पटना

इंसान को गंभीर बीमारी होने पर उसे बचा कर दूसरा जीवन देने वाले डॉक्टर में धरती पर भगवान का अक्स दिखता है। आज जब डॉक्टर्स और मरीज के बीच संबंधों में दरार आ गई हैं, वहीं अभी भी कई डॉक्टर ऐसे हैं जो अपने मरीजों से आत्मीय ही नहीं पारिवारिक रिश्ता रखते हैं। मरीज के ठीक होने के बाद भी उनके घर तक जाकर फोलोअप करते हैं। मरीज भी डॉक्टर का जन्मदिन हो या कोई और खुशी, हरमें शामिल होकर अपनी खुशी देखते हैं। डॉक्टर्स भगवान का दूसरा रूप होते हैं। कोरोना काल में अगर इन डॉक्टरों ने अपनी जान को जोखिम में डालकर हमलोगों की सेवा नहीं किये होते तो आज हालात और खराब रहता। कोरोना काल में ने हमने सीखा कि हमारे समाज में डॉक्टर किसी वॉरियर से कम नहीं है।

JHANJHARPUR EYE HOSPITAL
डॉ. विमल कुमार
चेयरमैन
विद्याश्री चैरिटेबल ट्रस्ट सुपौल
निदेशक
झंझारपुर आंख अस्पताल
लगड़ा चौक, झंझारपुर
नोट : यहां आंख संबंधी सभी रोगों का सफल इलाज एवं ऑपरेशन कुशल नेत्र सर्जन के द्वारा किया जाता है। एक बार अवश्य पधारें।

GYAN NIKETAN PUBLIC SCHOOL
Bhairavasthan, Madhubani, Bih
BAL BHAGWAN VATS
Principal

ASTUTI DENTAL CLINIC
Dr. Mukesh Kumar Jha
Dental Surgeon
B.D.S (L.N.M.U.) DBG
Mob. : 8084577577
DAV स्कुल के बगल में, झंझारपुर मधुबनी (बिहार)

IVF
OOD NEWS
निःसन्तान दम्पत्ति सम्पर्क करें
समयः- सुबह 9:30 से शाम 6:00 बजे तक
डॉ. वन्दना मिश्रा
(I.V.F. Specialist)
3rd Floor, Sunrise Sai Ozone Plaza Service Road, Bailey Road, RPS More, Patna - 801503
Email- goodnews.ivf2023@gmail.com / Insta-goodnews.ivf
Mob.: +91-97714 93824

FOX STORY INDIA

खुशबू झा अपने परिवार के साथ

मिथिला की बेटी ने देश-दुनिया में किया नाम

सहरसा जिला के पटुआहा निवासी खुशबू झा को वुमेन लीडरशिप फोरम से यंग लेखिका के रूप में अपनी पहचान बनाने के लिए वुमेन लीडर अवार्ड इन लीडरशिप से सम्मानित किया गया है। दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में खुशबू को उसकी पुस्तक टाक टू योर सोल के लिए यह महत्वपूर्ण सम्मान मिला है। उन्हें प्रसिद्ध लेखक इकबाल दुरानीं के हाथों यह सम्मान मिला है। **खुशबू को उसकी लिखी पुस्तक के लिए वर्ष 2017 में भी अटल मिथिला सम्मान मिला था। जबकि 2018 में खुशबू की इतनी कम उम्र में मिल रहे सम्मान से लोगों में हर्ष है। टाक टूयोर सोल किताब जीवन के विभिन्न स्तरों पर व्यक्तिगत फीलिंग्स को महसूस करने के संबंध में है। वहीं संस्कृत सभ्यता सम्मान पूर्व केंद्रीय मंत्री मुरली मनोहर जोशी के हाथों मिला था।** यह किताब लोगों को स्वयं के बारे में जानने की शिक्षा देता है। खुशबू ने बताया कि उसकी इच्छा है कि लोग इस किताब के माध्यम से अपनी भावनाओं को बदल सके। खुशबू के पिता कंस्ट्रक्शन व्यवसाय से जुड़े सुशील कुमार झा, मां गृहिणी शांति देवी, भाई सुरज झा खुशबू की इस कामयाबी और सोच से काफी प्रभावित हैं।